YouTube Subscribe Amar Bhaskar News | @amarbhashkarnews | Amar bhashkar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ एवं उत्तराखंड में प्रसारित

काशी में बोले प्रधानमंत्री मोदी कि मां गंगा ने मुझे.....०1

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

इंडिया गठबंधन के बडे नेताओं ने स्वाति मालीवाल ने.....०1

वर्ष: ०1 अंक: 343 | बदायूं, बुधवार 19 जून 2024 | पृष्ठ- ०6 | मूल्य- 4.०० रूपये

काशी में बोले पीएम मोदी, मां गंगा ने मुझे गोद लिया

वाराणसी। पीएम मोदी ने भोजपुरी में जनता को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव के बाद आज हम पहली बार बनारस आयल हईं। काशी के जनता जनार्दन के हमार प्रणाम। कहा कि बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से काशी वासियों के असीम स्नेह से मुझे तीसरी बार देश का प्रधान सेवक बनने का सौभाग्य मिला है। काशी के लोगों ने मुझे लगातार तीसरी बार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने भी जैसे मुझे गोद ले लिया है। मैं यहीं का हो गया हूं। इतनी गर्मी के बावजूद आप सभी यहां बड़ी संख्या में आशीर्वाद देने आए हैं और आपके इस तपस्या को देख करके सूर्य देवता भी थोड़ा ठंडक बरसाने लग गए।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं अभी जी 7 में हिस्सा लेने इटली गया था। जी 7 के सारे मतदाताओं को मिला दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे डेढ़ गुना ज्यादा है। यूरोप के तमाम देशों को जोड़ दें, यूरोपीय यूनियन के सारे मतदाताओं को जोड़ दें तो भी भारत के वोटर की संख्या उनसे ढाई गुना ज्यादा है।

पीएम ने कहा कि मैं आपका ऋणी हूं। भारत में 18वीं लोकसभा के लिए हुआ यह चुनाव भारत के लोकतंत्र की विशालता को, भारत के लोकतंत्र के समर्थक को, भारत के लोकतंत्र की व्यापकता को, भारत के लोकतंत्र की जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने पूरे समर्थ के साथ प्रस्तुत करता है। इस चुनाव में देश के 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। पूरी दुनिया में इससे बड़ा चुनाव कहीं और नहीं होता है, जहां इतनी बड़ी संख्या में लोग वोटिंग में हिस्सा लेते हैं। पीएम ने कहा कि इस चुनाव में 31 करोड़ से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया है। यह एक देश में महिला वोटर की संख्या के हिसाब से पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह संख्या अमेरिका के पूरे आबादी के आसपास है। भारत के लोकतंत्र की यही खूबसूरती यही ताकत पूरी दुनिया को आकर्षित भी करती है। प्रभावित भी करती है। मैं बनारस के हर मतदाता का भी लोकतंत्र की उत्सव को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों को जारी की 17वीं किस्त

देशभर के करोड़ों किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में आयोजित किसान सम्मान सम्मेलन में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त को जारी कर दी है। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के 9.3 करोड़ किसानों के खाते में कुल 2० हजार करोड़ रुपये की राशि को डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किया। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त को जारी करने के बाद शाम 7 बजे के करीब पीएम मोदी दशाश्वमेध घाट पर आयोजित गंगा आरती में शामिल होंगे। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 16वीं किस्त 28 फरवरी को जारी हुई थी उसके बाद से देशभर के करोड़ों किसान को पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार था।

44 गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास करेगी योगी सरकार

पशुपालन विभाग ने शुरू की तैयारियां

अमर भास्कर, ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गोवंश संरक्षण के लिए कई प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 44 गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस क्रम में प्रदेश सरकार द्वारा पशुधन विभाग को आदेश जारी किया गया है तथा 5.28 लाख रुपए की धनराशि व्यय से 15 जिलों में गो संरक्षण केंद्रों के निर्माण व विकास को सुनिश्चित किया जाएगा।

इस प्रक्रिया के अंतर्गत प्रत्येक गौ संरक्षण केंद्रों को 12 हजार रुपए की धनराशि व्यय से निर्मित व विकसित किया जाएगा। इस क्रम में बरेली के अनिरुद्धपुर, मउचंदपुर, सिकोड़ा, अंबरपुर, करतौली, मानपुर अहियापुर, चुरई दलपतपुर, बांसबोझ, महेशपुर शिव सिंह और शेखापुर में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। इसी प्रकार, उन्नाव के तौरा, टिकरा सामद, छूलामऊ, कोंथा व देवमई में गौ संरक्षण केंद्रों का निर्माण व विकास किया जाएगा। वहीं, शाहजहांपुर के शहबाजनगर, धुसगवां, बागपत के बिजवाड़ा, काकौर, अगला अगरी, लखीमपुर खीरी के कादीपुर, जालौन के नुनबई व गुजराजपुर, कासगंत के नादरमई व मथुरा के बढ़ौता में भी विकास कार्यों को पूर्ण किया जाएगा। इसी प्रकार, सम्भल के साकिन शोभापुर मुनजब्ता, एचौली व निरयावली, रायबरेली के बन्नांवा, अमेठी के दक्खिनगांव, कोरारी लच्छनशाह, खारा व टीकरमाफी, हरदोई के बरेला कमालपुर, कुरसेली व उचवल, फतेहपुर के जरौली व भादर, मुरादाबाद के मोहम्मदपुर मनसुख, रायपुर खुर्द व राजपुर मिलक तथा आगरा निमार्ण किया जायेगा।

एक नजर

भारत-अमेरिका को तकनीक के क्षेत्र में सबसे आगे आना होगा

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका को अत्याधुनिक तकनीक के विकास और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सबसे आगे खड़े रहने की आवश्यकता है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अपने अमेरिकी समकक्ष जैक सुलिवन की मौजूदगी में ये बातें कहीं। इससे एक दिन पहले अमेरिका के एनएसए जैक सुलिवन ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), महत्वपूर्ण खनिज, उन्नत दूरसंचार और रक्षा क्षेत्र के क्षेत्रों में भारत और अमेरिका के सहयोग को और भी अधिक मजबूत करने की बात कही थी।

केरल से राज्यसभा निर्वाचन: पीपी सुनीर और हारिस बीरान निर्विरोध चुने गए, जोस के मणि को दूसरा कार्यकाल

नई दिल्ली। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के हारिस बीरान, कांग्रेस के जोश के मणि और भाकपा नेता पी पी सुनीर को मंगलवार को केरल से राज्यसभा के लिए चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी ने यह जानकारी दी।

आईयूएमएल विपक्षी कांग्रेस नीत यूडीएफकी सहयोगी पार्टी है। जबकि केरल कांग्रेस और भाकपा राज्य में सत्तारूढ़ एलडीएफ का हिस्सा हैं। संसद के ऊपरी सदन के लिए तीनों नेता निर्विरोध चुने गए हैं। इन सांसदों का चुनाव इसलिए हुआ है, क्योंकि राज्य से राज्यसभा के तीन मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल एख जुलाई को समाप्त होने वाला है।

राज्यसभा के जिन तीन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें जोस के मणि, इलामारम करीम और बिनॉय बिश्वम शामिल हैं।

बिजनौर के शख्स की हत्या, अलीगढ़ में फेंकी लाश

बदायूं। बिजनौर के धामपुर के गांव फत्तेहपुर लाल उर्फउदुपुरा के व्यक्ति की बदायूं के दातागंज इलाके में हत्या कर दी गई थी। इसके बाद उसका शव अलीगढ़ की एक नहर में फेंक दिया गया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा है, जिसने हत्या के बारे में कुछ अहम सुराग पुलिस को दिए हैं। चरण सिंह चौहान (46) बिजनौर में धामपुर थाना क्षेत्र के गांव फत्तेहपुर लाल उर्फउदुपुरा के रहने वाले थे। उनके परिवार वालों के मुताबिक चरण सिंह का ट्रैक्टर दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव बराही में जल जीवन मिशन के तहत काम में लगा था। उनका ट्रैक्टर अलीगढ़ के अतरौली थाना क्षेत्र के गांव जामुना खेड़िया निवासी ठेकेदार गोपाल चलवा रहा था। गोपाल के साथ ही उसके गांव का बबलू काम करता है। सात जून को चरण सिंह अपना हिसाब-किताब करने दातागंज आए थे।

वाटर सिक्योरिटी प्लान से ही बुझेगी दिल्ली की प्यास, भयंकर जल संकट में फंसी राजधानी

दिल्ली। पानी का जबरदस्त संकट पैदा हो गया है। मांग से लगभग 25 से 3० फीसदी पानी की उपलब्धता कम हो गई है। इसका असर यह हुआ है कि दिल्ली के झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाके ही नहीं, पॉश कॉलोनियों में भी लोगों को पानी के लिए बाल्टी लेकर भटकना पड़ रहा है। दिल्ली के सबसे पॉश एरिया लुटियन जोन में भी कई इलाकों को इस समय पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। दिल्ली का जल संकट वर्षा शुरू होने के बाद ही सुधरेगा। लेकिन तेज गर्मी से अभी कई दिनों तक राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है और इस बीच पड़ोसी राज्यों से जल उपलब्धता पर कोई सहमति नहीं बनी, तो यह जल संकट कई दिनों तक बने रहने की संभावना है।

दिल्ली के जल संकट का सबसे बड़ा कारण यह है कि यहां पर पर्याप्त जल क्षेत्र नहीं है। कभी दिल्ली के कुल 1484 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में लगभग 18 वर्ग किलोमीटर इलाका जल क्षेत्र हुआ करता था। इसमें भी सबसे अधिक हिस्सा यमुना के बहाव क्षेत्र का हुआ करता था। यह जल क्षेत्र लोगों की प्यास बुझाने के लिए पर्याप्त हुआ करता था। लेकिन पड़ोसी राज्यों से रोजी-रोटी की तलाश में आए लोगों ने यमुना के बहाव क्षेत्र में अतिक्रमण कर घर बनाना शुरू कर दिया। शेष जल क्षेत्र भी अतिक्रमण का शिकार हुए, जिससे जल क्षेत्र सिकुड़ गया। इसका यह असर हुआ है कि दिल्ली का भूगर्भीय जल स्तर भी बहुत कम हो गया है। जल क्षत्र के सिकुड़ने की तुलना में आबादी में कई गुना बढ़ोतरी हो गई है। 2०11 में दिल्ली की आबादी 1.1 करोड़ के आसपास थी जो अब लगभग दो करोड़ के करीब हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2०28 तक दिल्ली दुनिया का सबसे घनी आबादी वाला शहरी क्षेत्र हो सकता है। 2०35 तक दिल्ली (एनसीआर सहित) की आबादी 4.3 करोड़ के लगभग हो सकती है। बेहतर जीवन स्तर के कारण भी जल की मांग में बढ़ोतरी होगी।

इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं को स्वाति मालीवाल की चिट्ठी, राहुल से मिलने का समय मांगा

नई दिल्ली। बीती 13 मई को दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई घटना के बाद एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। स्वाति मालीवाल ने अपने मामले को लेकर इंडी गठबंधन के नेताओं को चिट्ठी लिखी है और उन्होंने मिलने का समय भी मांगा है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बताया कि उन्होंने इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 सालों से मैंने जमीन पर काम किया है और नौ सालों में महिला आयोग में 1.7 लाख केस में सुनवाई की। आगे लिखा कि बिना किसी से डरे और किसी के आगे झुके हुए। महिला आयोग को एक बहुत ऊंचे मुकाम पर खड़ा किया। लेकिन बहुत दुख की बात है कि पहले मुझे मुख्यमंत्री के घर पर बुरी तरह पीटा गया, फिर मेरा चरित्र हरण किया गया है। आज इस विषय पर मैंने इंडी गठबंधन के सभी बड़े नेताओं को पत्र लिखा है। मैंने सबसे मिलने का समय मांगा है।

बिहार में अब 12 करोड़ का पुल उद्घाटन से पहले गिरा

पटना। बिहार में एक बार फिर से पुल हादसा हुआ है। उद्घाटन से पहले ही पुल ध्वस्त होकर नदी में समा गया। घटना अररिया जिला के सिकटी प्रखंड की है। यहां करोड़ों की लागत से बकरा नदी के पड़रिया घाट पर बना पुल अचानक नदी में समा गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस पुल का निर्माण पहले बने पुल के एप्रोच कट जाने के बाद कराया गया था। लोगों का आरोप है कि पुल के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल किया गया था इसलिए पुल उद्घाटन से पहले ध्वस्त हो गया। लोगों का कहना है कि हाल में ही पुल के एप्रोच पथ को बहाल करने के विभाग की विभाग की ओर कवायद शुरू की गई थी। लेकिन, उससे पहले यह हादसा हो गया। अररिया के सांसद और विधायक ने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही।

अररिया के सिकटी प्रखंड में उद्घाटन से पहले ही पुल ध्वस्त हो गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण योजना के तहत बने इस पुल की लागत 7.79 करोड़ रुपये थी। 182 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण 2०21 में शुरू हुआ था। शुरुआती दौर में यह 7 करोड़ 8० लाख की लागत का था, लेकिन बाद में नदी की धारा बदलने और एप्रोच सड़क को लेकर कुल 12 करोड़ की लागत का हो गया था। यह जून 2०23 में बनकर तैयार हुआ। पुल के दोनों और पहुंच पथ नहीं होने के कारण इस पर आवागमन नहीं हो रहा था। ग्रामीणों ने कुल निर्माण में अनियमितता का आरोप लगाया है। ग्रामीणों की मानें तो पिछले दो दिनों से पुल के स्लैब में दरार दिख रही थी। मंगलवार को अचानक से भरभराकर पुल गिर गया। इस पुल का निर्माण केंद्र सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत पड़ोसी जिला किशनगंज के ठेकेदार सिराजुर्रहमान ने कराया है।

इधर, पुल हादसे के बाद सांसद प्रदीप कुमार सिंह और सिकटी भाजपा विधायक विजय कुमार मंडल ने इसे संवेदक और विभागीय लापरवाही का नतीजा करार दिया। सांसद और विधायक ने पुल की पाइलिंग में गड़बड़ी बरते जाने की बात करते हुए रात में संवेदक पर गुणवत्ता विहीन काम करने का आरोप लगाया। सांसद ने मामले एक जांच उच्च स्तरीय टीम के साथ कराने के साथ जिम्मेवार संवेदक और विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही।

पुलिस के हत्थे चढ़े ठकठक गैंग के दो सदस्य

नई दिल्ली। दक्षिण जिला पुलिस ने ठकठक गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक महिला भी शामिल है। आरोपियों ने आगरा में एक हीरा व्यापारी से करीब एक करोड़ की ज्वेलरी लूटी थी। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी हुई ज्वेलरी में से 6० फीसदी ज्वेलरी बरामद की है। डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने बताया, श्जांच करने पर महिला के पास से हीरे की 23 वस्तुएं बरामद हुईं। 6० फीसदी चीजें बरामद कर ली हैं और आगरा पुलिस को सूचित किया है। कुणाल और गीता नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कुणाल की पिछली पांच संलिप्तताएं इसी कार्यप्रणाली में शामिल हैं। इसमें लगभग 13 लोग शामिल हैं। आरोपियों ने 15 जून की रात मदिया कटरा तिराहा पर व्यापारी की कार से 36 हीरा जड़ित जेवरात से भरा बैग उड़ाया था।

अमर भास्कर
आवश्यकता है-
अमर भास्कर
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र एवं न्यूज चैनल)
को पूरे देश में प्रदेश स्तर, मण्डल स्तर
जिला स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक एवं थाना स्तर पर
अनुभवी एवं शिक्षित संवाददाता एवं विज्ञापन प्रभारियों की।
संपर्क करें:-
मोबा. 9411214614, 9058143211, 7599339198
ऑफिस:-
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक, बदायूँ (उ.प्र.)- 243601
www.amarbhashkar.com
Email- amarbhashkar21@gmail.com

घोटाले में गोदाम कीपर सहित दो के खिलाफ रिपोर्ट

अमर भास्कर, ब्यूरो।

अलीगढ़। जिले की दि किसान सहकारी साथा चीनी मिल में 35.24 लाख की करीब 1137 क्विंटल चीनी के बंदरों द्वारा चट कर लिए जाने के प्रकरण में कारखाना प्रबंधक ने 17 जून को गोदाम कीपर समेत दो के खिलाफ थाना जवां में अमानत में खयानत का मुकदमा दर्ज कराया गया है। मिल में लाखों की चीनी के घोटाले का मामला प्रकाश में आने पर शासन स्तर से जांच कमेटी गठित की गई थी।

जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षा ने दि किसान सहकारी चीनी मिल साथा का ऑडिट किया। स्टॉक के भौतिक सत्यापन में गोदाम में काफी अंतर मिला था।

इस मामले में गोदाम कीपर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दे सकेाच कमेटी ने प्रभारी गोदाम कीपर महीपाल सिंह एवं गोदाम कीपर गुलाब सिंह से स्पष्टीकरण मांगा था। अब इस मामले में थाना जवां में कारखाना प्रबंधक महेश शर्मा ने थाना जवां में अमानत में खयानत के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।

एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इसकी गहनता से विवेचना कराकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी विनोद कुमार सिंह को जांच रिपोर्ट में मिल से करीब 1137 क्विंटल चीनी जिसकी बाजार में 35.24 लाख आंकी गई।

ऑडिट रिपोर्ट में वर्तमान प्रधान प्रबंधक राहुल कुमार यादव, मुख्य लेखाधिकारी ओमप्रकाश, प्रबंधक रसायनविद एमके शर्मा, लेखाकार महीपाल सिंह, प्रभारी सुरक्षा अधिकारी दलवीर सिंह, गोदाम कीपर गुलाब सिंह को दोषी माना गया था। ऐसे में केवल दो शुगर गोदाम कीपर के खिलाफ ही मुकदमा दर्ज कराया जाना तमाम सवालिया निशान छोड़ रहा है। चीनी मिल के जिला लेखा परीक्षा अधिकारी, सहकारी समितियां एवं पंचायत लेखा परीक्षक विनोद कुमार सिंह ने 31 मार्च 2024 तक की ऑडिट जांच के दौरान चीनी के अंतिम स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया।

एक अप्रैल से अक्तूबर 2023 तक चीनी के स्टॉक का मिलान तो मिला, लेकिन फरवरी 2024 में स्टॉक 1538.37 था, लेकिन मार्च माह में घटकर 401.37 क्विंटल ही रह गया । इसका हिसाब मांगने पर चीनी मिल से जुड़े अफसरों व कर्मचारियों ने स्टॉक में रखी करीब 1137 क्विंटल सफेद चीनी को बंदरों द्वारा खा लेने एवं कुछ चीनी के बारिश में खराब होने की बात कही थी।

शराब पीने के बाद युवक ने लगाई फांसी

मैनपुरी। जिले में एक युवक ने शराब पीने के बाद फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मंगलवार की सुबह शव को पेड़ पर लटका देख ग्रामीणों ने परिजन और पुलिस को सूचना दी। शव को फंदे से उतरवाने के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा।भोगांव थाना क्षेत्र के मोहल्ला शांति नगर निवासी राजेश कश्यप शराब पीने का आदी हो चुका था।

सोमवार की रात को भी उसने जमकर शराब पी और घर से बाहर निकल गया। वह रात भर घर वापस नहीं लौटा। मंगलवार की सुबह जब कुछ ग्रामीण अपने खेत की ओर गए तो राजेश का शव फंदे पर लटका देख ग्रामीणों ने परिजन को सूचना दी। जानकारी मिलने के बाद रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। उधर पुलिस ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। शव को फंदे से उतरवाने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पुलिस ने फर्जी जेल अधीक्षक किया गिरफ्तार

फिरोजाबाद। जेल में नौकरी लगवाने के नाम पर फर्जी जेल अधीक्षक ने युवाओं से लाखों रूपये ठग लिये। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से पुलिस ने नगदी और काफी मात्रा में फर्जी दस्तावेज भी बरामद किये है। एसपी सिटी सर्वेश कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को बताया कि 11 जून 2024 को धीरज यादव पुत्र चन्द्रभान यादव निवासी ग्राम अरसैना थाना सिकंदरा आगरा ने सांई लॉज में फर्जी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर 30 हजार रूपये की ठगी करने की शिकायत की थी।

वहीं उमाशंकर यादव पुत्र भाव सिंह निवासी ग्राम सिकहरा फिरोजाबाद ने भी कूटरचित दस्तावेज तैयार कर नौकरी के नाम पर 6 लाख रूपये की ठगी होने की शिकायत की। कमलसिंह परिहार व राजकुमार को जेल में नौकरी दिलवाने और ठेकेदारी का काम दिलवाने के नाम पर लाखों रूपये की ठगी करने की शिकायत की। इस मामले में पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गयी।

एसपी सिटी ने बताया कि मुखविर की सूचना पर थाना उत्तर पुलिस टीम ने आरोपी को थाना रसूलपुर के समीप बसई मौहम्मदपुर जाने वाले पुल से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने अपना नाम बृजेश कुमार मिश्रा पुत्र आरसी मिश्रा निवासी सरस्वती ज्ञान कुंज स्कूल नौबस्ता कानपुर नगर बताया है। आरोपी के पास से बैंक चौक, अधिकारियों के फोन नंबर, ईमेल आईडी लिस्ट, कूटरचित हस्ताक्षर युक्त लिफाफे, तीस हजार नगद समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

सैकड़ों घरों की बिजली आपूर्ति ठप

अमर भास्कर, ब्यूरो।

एटा। जिले में सोमवार देर रात दबंगों ने बिजली के खंभे तोड़ डाले। इससे विल्सड पट्टी सहित विल्सड पुवायां के करीब 100 घरों की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। आरोप है कि ग्रामीणों ने विरोध किया तो उनकी पिटाई की गई। मामला राजा का रामपुर थाना क्षेत्र के विल्सड़ पट्टी गांव का है।

विल्सड पट्टी गांव निवासी मिलन दीक्षित ने बताया कि गांव के पंचायत सचिवालय के पास ट्रांसफार्मर रखा हुआ है। जिसके पास में ही एक चक्की लगी हुई है। अभी गर्मी की वजह से विद्युत ट्रिपिंग की समस्या बनी हुई है। जिसकी वजह से उस मोहल्ले के रहने वाले लोग अपनी लाइट चलाने को लेकर आए दिन लाइनमैन को रुपये देकर लाइन हटवा देते है। ससे गांव को लाइट चली जाती है। सोमवार को भी तार काट दिए और कुछ खंभे भी तोड़ दिए। जिससे हम लोगों की लाइट चली गई। विरोध किया तो यह लोग लाठी-डंडे लेकर घर आ गए।

हमला कर दिया। थाने में तहरीर भी दी गई है। ग्रामीण अमन दीक्षित ने बताया कि इन लोगों की वजह से पूरा गांव परेशान है। जब मन आता है लाइनमैन से शटडाउन लेकर लाइट काट देते हैं। जेई अलीगंज देहात श्रीकांत कुमार ने बताया कि विद्युत खंभे तोड़ने की सूचना मिली है। कार्यदायी संस्था द्वारा अभी लाइन विभाग को हैंडओवर नहीं की गई है। एजेंसी द्वारा ही इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। लाइनमैन पर लगाए गए आरोप निराधार हैं।

वस्त्र बदलने के लिए पक्के घाट की मांग

अलीगढ़। प्राचीन गंगा घाट सांकरा पर महिलाओं को वस्त्र बदलने के लिए किसान कामगार मोर्चा जिला अध्यक्ष अनिल कुमार क्रांतिकारी ने पक्के गंगा घाट की मांग की गंगा स्नान के महापर्व दशहरा पर सांकरा गंगा पुल बनने से बदायूं जनपद सहित अलीगढ़ के भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए आए भीषण गर्मी में भारी भीड़ रही गंगा स्नान करने आए श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था में अलीगढ़ व संभल जनपद की पुलिस व्यवस्था चौकस रही सांकरा चौकी इंचार्ज यतेंद्र सिंह गुर्जर ने सभी श्रद्धालुओं को सम्मान देते हुए मजबूती हासिल की यतेंद्र गुर्जर ने बताया अरे गर्मी के चलते जगह-जगह भंडारे एवं ठंडे पानी जल प्याऊ की उचित व्यवस्था की गई।

फंदे से लटका मिला हवलदार की पत्नी का शव

अमर भास्कर, ब्यूरो।

बरेली। जिले के कैंट थाना क्षेत्र में सेना के हवलदार की पत्नी का शव पंखे से लटका मिला। सूचना पर कैंट थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम कराया। मौके से न तो कोई सुसाइड नोट मिला और न ही मोबाइल में कोई ऐसा डाटा मिला, जिससे आत्महत्या की वजह साफ हो सके।

जाट रेजीमेंट सेंटर स्थित जेएलए में तैनात हवलदार एमएल राव की पत्नी 31 वर्षीय एम मगलिमा का शव उनके सरकारी आवास में फंदे पर लटका मिला। सोमवार रात जब हवलदार राव खेल प्रैक्टिस करके लौटे तो देखा कि पत्नी का शव पंखे के सहारे लटक रहा है। सूचना पर कैंट थाना प्रभारी जग नारायण पांडेय पुलिस के साथ पहुंचे। मंगलवार को

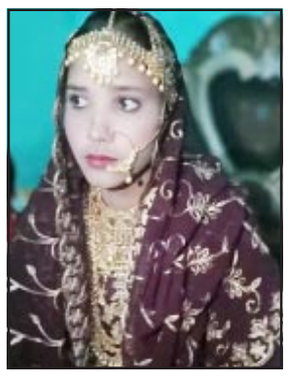

सेना के अधिकारी भी पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। पुलिस के मुताबिक प्राथमिक तौर पर पति पत्नी के बीच आपसी मनमुटाव की वजह से आत्महत्या की बात सामने आ रही है।

हालांकि शव के पास न तो कोई सुसाइड नोट मिला और न ही मोबाइल में कोई ऐसा डाटा मिला जिससे वजह साफ हो सके। मृतका के दो बेटे 11 और नौ साल के हैं। पुलिस ने उनसे भी पूछताछ की। बच्चे भी मां की मौत के बारे में कुछ खास नहीं बता सके। कैंट पुलिस ने मृतका की मां को कॉल की तो उन्होंने बताया कि उनकी बेटी आंध्र प्रदेश के जिला प्रकाशम के थाना रचरला के गांव गौथवरम की निवासी थी।

बताया कि एमएल राव उनके सगे भाई हैं। उन्होंने भाई से ही अपनी बेटी मगलिमा की शादी कर दी थी। उनके यहां इस तरह की परंपरा है कि मामा-भांजी की शादी हो जाती है। उन्होंने बताया कि बेटी ने आत्महत्या क्यों की, इस बारे में जानकारी करेंगे। इस मामले में उनका कोई आरोप नहीं है। बेटी के बच्चों का भविष्य देखना प्राथमिकता है।

गर्मी के चलते लोगों को हो रही परेशानी

लखनऊ। प्रदेश में गर्मी अभी और सताएगी। अभी राहत मिलने के आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं। हालांकि धूल भरी आंधी चलने के आसार हैं। दरअसल, धीरे-धीरे पुरवा थमेगी और पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण फिर गर्मी बढ़ेगी। मंगलवार को सियासी पारा के साथ अधिकतम तापमान भी चढ़ा रहा।

प्रदेश में झांसी के बाद कानपुर और हमीरपुर में सबसे अधिक तापमान रहा। कानपुर स्थित सीएसए के मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि इस सप्ताह गर्मी इसी तरह बनी रहेगी।

देश के कई इलाकों में चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र बने हैं और बादलों की श्रृंखला भी है लेकिन इसका असर कानपुर परिक्षेत्र पर नहीं आएगा।

सोते समय गला दबाकर की गई थी किसान की हत्या, पुलिस को परिजनों पर ही शक

अमर भास्कर, ब्यूरो।

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर में चारपाई पर सोते समय किसान कालिया उर्फ कन्हैया की गला दबाकर हत्या की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसकी पुष्टि हुई है। पुलिस मामले में रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी में जुट गई है। परिवार के लोगों पर ही फिलहाल शक जताया जा रहा है।क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर में कन्हैया उर्फ कालिया रहते थे।

कुछ समय पूर्व बीमारी के चलते उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। जबकि उनके कोई संतान भी नहीं थी। गांव के बाहरी छोर पर घेर बना हुआ है। जिसमें बने एक कमरे में कन्हैया अकेले रहते थे।यहां पर वह खेतीबाड़ी के साथ पशु पालन भी करते थे। रोजाना की तरह वह शनिवार की रात को अपने घेर में पड़ी चारपाई पर सो रहे थे। रविवार की सुबह को जब सो कर नहीं उठे तो छोटा भाई सल्लू वहां पहुंचा था। देखा तो वह मृत अवस्था में पड़े थे। गर्दन पर निशान भी थे। हत्या की आशंका जताई गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई है कि उसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। प्रथम दृष्टया परिवार के लोगों पर शक की सुई घूम रही है। जल्द ही रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

व्यापारी की कार से उड़ाए एक करोड़ के हीरे

अमर भास्कर, ब्यूरो।

आगरा। जिले में व्यापारी के कार से हीरे और जेवरात उड़ाने वाले ठकठक गैंग के दो आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। इनको मंगलवार सुबह साउथ दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से करीब 60 लाख रुपए मूल्य के हीरे जड़े 23 आभूषण बरामद हुए हैं।

इनसे पूछताछ की जा रही है। आरोपियों ने 15 जून की रात मदिया कटरा तिराहा पर व्यापारी की कार से 36 हीरा जड़ित जेवरात से भरा बैग उड़ाया था। 400 ग्राम सोने में 100 कैरट के हीरे जड़े थे। बैग में 1.50 लाख रुपए नकद थे। साउथ दिल्ली पुलिस ने गैंग की गीता और कुणाल नामक दो सदस्यों को पकड़ा है।बताया गया कि गीता और कुणाल दोनों दिल्ली के रहने वाले। दोनों ने आगरा में वारदात की बात कबूली है। कुणाल पहले इस तरह की पांच वारदातों को अंजाम दे चुका है। डीसीपी साउथ दिल्ली अंकित चौहान ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इनके गैंग में 13 सदस्य हैं। आगरा पुलिस को सूचना भेज दी गई है।

फिरोजाबाद में ईद उल अजहा की नमाज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई

फिरोजाबाद। आज मुस्लिम समाज के बुजुर्ग नौजवान और बच्चे सुबह से ही ईद उल अजहा की नमाज पढ़ने के लिए साफ सुथरे कपड़े पहनकर तैयार होकर ईदगाह के लिए खाना होने लगे, ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के बुजुर्गों नौजवानों बच्चों ने ईद अल-आधा की नमाज अदा की, ईदगाह में नमाज मुफ्ती तनवीर अहमद कासमी ने अदा कराई।

तकरीर मौलाना शफी अहमद कासमी ने की, जामा मस्जिद में नमाज मौलाना असद अलीम शम्सी ने अदा कराई, शाही मस्जिद में नमाज मौलाना मोहम्मद आरिफ ने अदा कराई। नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समाज में कुर्बानी की रस्म अदा की, ईदगाह और नमाज स्थलों पर हिंदू भाइयों ने पहुंचकर ईद की एक दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी, जिलाधिकारी रमेश रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित, नगर आयुक्त घनश्याम मीणा, अपर जिलाधिकारी वीशु राजा, नगर पुलिस अधीक्षक सर्वेश कुमार मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट राजेंद्र कुमार, सीओ सिटी हिमांशु गौरव, ने गांधी पार्क पहुंचकर व्यवस्थाओं को देखा और सभी नमाजियों को ईद की मुबारकबाद दी, आज फिरोजाबाद में ईद उल अजहा की नमाज को लेकर बेहतरीन इंतजाम के लिए करबला कमेटी के अध्यक्ष हिकमत उल्ला खान ने जिलाधिकारी रमेश रंजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित, नगर आयोग घनश्याम मीणा का आवाम की तरफ से शुक्रिया अदा किया।

ट्रक में घुसी कार... लग गई आग, जलती हुई कार को खींचकर फर्राटा भरता रहा ट्रक

अमर भास्कर, ब्यूरो।

मैनपुरी। जिले में सोमवार की देर रात वैगनआर कार आगे चल रही लकड़ी लदे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में आग लग गई। कार में फंस गई। चालक करीब एक किलोमीटर तक जलती कार को खींचता रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन उसे रोका। घटना करहल थाना क्षेत्र के मैनपुरी रोड पर एक ढाबा के पास देर रात करीब 12 बजे की है।

यहां तेज रफ्तार वैगनआर कार आगे चल रहे लकड़ी लदे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शॉर्ट सर्किट से वायरिंग ने आग पकड़ ली। घटना के बाद चालक और वैगनआर में बैठी सवारियां बाहर निकल गईं। अंधेरा अधिक होने की वजह से चालक को हादसे की जानकारी नहीं हो सकी। वह ट्रक लेकर आगे बढ़ गया।

करीब एक किलोमीटर तक ट्रक जलती हुई गाड़ी को खींचता दौड़ता रहा। इस दौरान कार में लगी आग भीषण रूप ले चुकी थी। जानकारी पर प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक को रुकवाने के बाद आग को बुझाने के प्रयास शुरू किए। कुछ देर बाद आग पर काबू कर लिया गया। ट्रक में लदी लकड़ियां जलने से बच गईं। लेकिन, कार पूरी तरह से जल गई। करहल क्षेत्र में हुई यह घटना मार्ग पर लगे एक सीसीटीवी में कैद हुई है।

फिर एक बार अमेरिकी दूतावास पर निशाना, आधे घंटे तक चली गोलियां

लेबनान। देश की राजधानी बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर हमले का प्रयास करने वाले बंदूकधारी को लेबनानी सैनिकों ने पकड़ लिया। इस घटना लेबनान में जारी तनाव के बीच घटी। दरअसल, पिछले एक महीने से सीमावर्ती क्षेत्रों में हिजबुल्ला आतंकी और इस्त्राइली सैनिकों के बीच झड़प जारी है। लेबनानी सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि सैनिकों ने एक हमलावर को गोली मार दी।

उन्होंने हमलावर की पहचान सीरिया के नागरिक के तौर पर की है। गली लगने के बाद हमलावर को अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, इस घटना के बाद हमलावर के हमले का उद्देश्य क्या था, यह स्पष्ट नहीं हो

पाया है। लेबनानी मीडिया ने एक तस्वीर जारी की, जिसमें हमलावर खून से लथपथ हमलावर एक ने काली रंग की बनियान पहन रखी थी। उसके बनियान में इस्लामिक स्टेट लिखा हुआ था।

लेबनानी मीडिया ने बताया कि अमेरिकी दूतावास के बाहर करीब आधे घंटे तक गोलीबारी हुई। लेबनानी सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि चार हमलावर थे, उनमें से एक बाकी के हमलावरों को घटनास्थल पर लेकर आया था। उन्होंने कहा कि एक हमलावर की मौत हो गई, दूसरा मौके से भाग निकला। तीसरा घायल हो और चौथे को हिरासत में ले लिया गया था। अमेरिकी दूतावास ने इस हमले के बाद प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि इस हमले में कोई भी हताहत नहीं हुआ।

लेबनान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री और आर्मी कमांडर के साथ बैठक के बाद उन्हें स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। फिलहाल स्थिति स्थिर है और इस मामले की जांच जारी है।

आग लगने से चालीस घर जले

अमर भास्कर, ब्यूरो।

गाजीपुर। जिले के रेवतीपुर क्षेत्र के नारायणपुर गांव के यादव बस्ती में मंगलवार की सुबह भीषण आग लग गई। इससे लगभग 40 झोपड़ियां और चार पक्के मकान जलकर राख हो गए हैं।

आग की लपटों को देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई। लोगों में चीख-पुकार मच गई। वहीं आंखों के सामने अपना आशियाना जलता देख लोगों की आंखें भर आईं। आग लगने की घटना में तीन बकरियां, एक बछिया, एक मोटरसाइकिल, एक ट्रैक्टर और लगभग दस साइकिलें व घर गृहस्थी का समान जलकर राख हो गया। गृहस्थी के सामान में कैश, अनाज, भूसा, सिलेंडर, डीजल इंजन, आलमारी, बक्सा समेत सब कुछ जलकर खाक हो गया है।

बिसौली में ईको कार से जोरदार क्रूटर से संग्रह अमीन की दर्दनाक मौत

अमर भास्कर, संवाददाता

बिसौली। बसूली करके तहसील लौट रहे संग्रह अमीन को तेज स्पीड से आ रही ईको कार ने कुचल दिया। पुलिस ने इको को पकड़ लिया। स्वजनों का रो रोकर बुरा हाल है। नगर की गायत्री कॉलोनी निवासी 50 वर्षीय संजीव सक्सेना स्थानीय तहसील में संग्रह अमीन के पद पर कार्यरत थे। वह आज मंगलवार को दोपहर में बाइक से बसूली करके तहसील लौट रहे थे कि हाइवे पर ग्राम कालूपुर के समीप तेज रफ्तार से आ रही ईको कार बाइक को रौंद दिया। संजीव सक्सेना हाइवे पर जा गिरे। उनके सिर और पेट में गंभीर चोट आई। घटना के बाद मौके पर राहगीर इकट्ठे हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सजीव सक्सेना को सरकारी अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुके थे। जानकारी होते ही पत्नी पंकज और पुत्र लकी भी अस्पताल पहुंच गया। दोनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक तीन भाई थे। ईको पुलिस के कब्जे में हैं। घटना को लेकर अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है।

महिलाओं एसडीएम बिसौली को सौंपा ज्ञापन

बिसौली। थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के ग्राम परमानंदपुर में रात के अंधेरे में तालाब को पाटने का कार्य बादस्तूर जारी है। मंगलवार को गांव की महिलाएं और पुरुषों ने तहसील परिसर में पहुंचकर प्रदर्शन किया और एसडीएम को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि राजीव कुमार पुत्र मुरली धर निवासी चंदौसी ने अवैध बैनामा करा कर गुंडो के बल पर तालाब को मिट्टी डालकर पाट रहा हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राजीव कुमार गुंडों के साथ क्षेत्रीय आर आई और पुलिस से मिलकर अवैध तरीके से तालाब पाटने का कार्य बदस्तूर जारी है महिलाओं का कहना है कि जब रक्षक ही भक्षक हो, जिनकी जिम्मेदारी रोकने की है वही अपनी निगरानी में यह सारा कार्य करा रहे है। और पुलिस ग्रामीणों को जेल भेजने की धमकी दे रही है। इस अवसर पर कुमारपाल, सुनहरी लाल, देव सिंह, धर्मेंद्र, अजय सिंह, प्रताप सिंह, अशोक कुमार, विजयवीर सिंह, राजकुमार, किशोरी, तेजपाल, बॉबी, राकेश, उषा, तुलसा, पुष्पा, जयंती, रूपवती मौजूद रहे।

उझानी डिवीजन के बादुल्लागंज का मामला, किसानों की शिकायत पर रोका गया काम

चकरोड छोड़ खेतों पर तान रहे हाइटेंशन लाइन

अमर भास्कर, संवाददाता

उझानी। डिवीजन के गांव बादुल्लागंज में चकरोड को छोड़कर खेतों के ऊपर से 11 हजार वोल्ट लाइन डाली जा रही है। गांव वालों के विरोध पर विभागीय अफसरों ने फिलहाल काम को रुकवा दिया है। जेई ने मौका मुआयना कर अधिशासी अभियंता को मामले की जानकारी दी है।

बिजली विभाग ट्यूबवेल और गांव की लाइनों को अलग करने जा रहा है। उझानी डिवीजन के गांव बादुल्लागंज में 15 जून को दोपहर में उस समय काम किया गया, जब किसान घरों पर आराम कर रहे थे। शाम के समय खेतों पर पहुंचे तो इसकी जानकारी हुई, तब तक लगभग 12 पोल लगाए जा चुके थे। चकरोड छोड़कर खेतों पर लाइन डालने और बिना पूर्व सर्वे या जानकारी के पोल लगाने का किसानों ने विरोध किया।

इसके बावजूद काम नहीं रोका गया और किसानों से अभद्र व्यवहार भी किया गया। 16 जून को अधिशासी अभियंता को संबोधित शिकायती पत्र भेजा गया। इसकी कॉपी डीएम समेत चीफ इंजीनियर, एमडी पॉवर कॉरपोरेशन, अधीक्षण अभियंता आदि को भेजी गई। इसके बाद अफसर तुरंत हरकत में आए और उन्होंने आनन-फानन में काम पर रोक लगा दी।

अधिशासी अभियंता उझानी के आदेश पर असरासी फीडर के जेई अमित कुमार ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सभी पहलुओं पर बारीकी से अवलोकन किया। शाम को उन्होंने अपनी रिपोर्ट एक्सईएन उझानी को सौंप दी। कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि सर्वे या काम से सम्बंधित कोई भी अभिलेख नहीं दिखा पाए। शिकायती पत्र में रहमान रसूल, मुताहिर मियां, शमशाद रसूल, मुजम्मिल हुसैन, सचिन सोनू, सलमान रसूल, पप्पू राठौर, नवाजिश रसूल, बृजपाल, मेराज हुसैन आदि ने हस्ताक्षर किए हैं।

सार-संक्षेप

बिल्सी में वृक्षारोपण का आयोजन

अमर भास्कर, संवाददाता

बिल्सी। अरिहंत वृक्षारोपण समिति के तत्वाधान में समिति के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु असावा की अध्यक्षता में बिसौली रोड स्थित असावा पेट्रोल पंप पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष विष्णु असावा ने बेल के पौधों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बेल वृक्ष की बेल से मच्छर कोसों दूर रहता है। क्योंकि, इसकी खुशबू ऐसी है जिसकी वजह से मच्छर दूर भागता है. साथ ही ये कोल्ड फीवर फ्लू या फिर डेंगू मच्छर के काटने से जो फीवर आता है जैसी बीमारियों में इसकी पत्तियों का रस पीने से फायदा मिलता है संस्थापक प्रशान्त जैन ने कहा कि

व्हेल फिन स्नेक प्लांट एक प्रतीकवाद और लाभदायक पौधा है जो कि प्राकृतिक वायु शोधक जो रात में ऑक्सीजन उत्पादन के साथ नींद को बढ़ाता है। कम रखरखाव और पालतू-अनुकूल , व्यस्त पौधा प्रेमियों के लिए एकदम सही रहता है। फेंग शुई में विकास, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है ।वायु शुद्धिकरण

व्हेल फिन स्नेक प्लांट न केवल अपनी आकर्षक उपस्थिति के लिए बल्कि हवा को साफकरने की अपनी उल्लेखनीय क्षमता के लिए भी जाना जाता है। यह हरा विशालकाय पौधा सिर्फएक सुंदर चेहरा नहीं हैय यह एक प्राकृतिक वायु शोधक है, जो फॉर्मेल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोइथिलीन जैसे आम घरेलू विषाक्त पदार्थों को हटाने के लिए अथक प्रयास करता है इस मौके पर योगेन्द्र सिंह , रामवीर सिंह ,रिंकू ,दिलीप वार्ष्णेय, कृष्णा वार्ष्णेय, नवल, सावन धामा , विनोद यादव, मुकेश यादव आदि उपस्थित रहे

परिवार को स्वर्ग बनाने के लिए करें भगवान श्री राम जैसा भ्रातृत्व प्रेम: संजीव

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। अंबियापुर क्षेत्र के गांव दबिहारी के वीर महाराज मंदिर में चल रही अखंड रामायण पाठ का यज्ञ के साथ समापन हो गया। भगवान श्री राम की आरती के बाद कन्या भोज कराया गया।

गायत्री परिवार के संजीव कुमार शर्मा ने वेद मंत्रोच्चारण कर अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ कराया। उन्होंने कहा कि मर्यादाओं को पालें, वर्जनाओं से बचें और नागरिक कर्त्तव्यों का पालन करें तो जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहेगी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम ने धर्मपरायण, आज्ञाकारी, मातृभक्ति और पुत्र के श्रेष्ठ कर्त्तव्यों से अमंगल को मंगल और शाप को वरदान में बदल दिया। उन्होंने कहा कि माता कैकेई ने महाराज दशरथ से वरदान में श्री राम को 14 वर्ष का वनवास मांगा। तब भगवान श्री राम राज्याभिषेक को त्याग कर वल्कल चीर धारण करके 14 वर्षों तक वन के अपरिमित कष्टों और बाधाओं को सहन करने का भारी निर्णय लेने में एक क्षण भी नहीं लगाया। श्रीराम जैसा अपार भ्रातृत्व प्रेम अपना लिया जाए तो परिवार में स्वर्ग जैसा वातावरण होगा।

गायत्री परिवार के सुखपाल शर्मा ने मुख्य दीप प्रज्ज्वलित किया। भवेश शर्मा और और पत्नी पूजा शर्मा मुख्य यजमान के रूप में रहे। भगवान श्री राम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी का पूजन किया गया। इसके बाद भव्य आरती की गई। गंगा पाल शर्मा, अंजलि, पंकज कुमार, सौम्या शर्मा, दीप्ति शर्मा, केशव शर्मा, मारुति, मृत्युंजय शर्मा, हेमंत शर्मा, भवेश शर्मा, सुमन शर्मा, संध्या, कल्यान सिंह, संजय सिंह, श्री शर्मा, पूजा शर्मा ने अखंड रामायण पाठ किया। भक्तों ने यज्ञ भगवान को गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र की विशेष आहुतियां समर्पित कीं। भक्तों ने भगवान श्री राम की भव्य आरती की। प्रसाद वितरण करने बाद कन्या भोज कराया गया।

दशहरा पर ककराला में हुआ शरबत वितरण

अमर भास्कर, संवाददाता

ककराला। जेष्ठ गंगा दशहरा पर ककराला पश्चिमी पुल पर शरबत वितरण करते शिवभक्त इस दिन जगत की धात्री मां गंगा की पूजा-उपासना की जाती है। इसके लिए साधक ब्रह्म बेला से पवित्र गंगा नदी में आस्था की डुबकी लगाते हैं। शास्त्रों में निहित है कि ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मां गंगा का अवतरण भूलोक पर हुआ था। अत: हर वर्ष ज्येष्ठ माह में शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर गंगा दशहरा मनाया जाता है। इस शुभ कार्य में अनमोल शर्मा,मनोज शर्मा, राजेंद्र गुप्ता सुक्कू, विक्रम गोस्वामी, सर्वेश सक्सेना, विनोद स्कसेना, दिनेश सक्सेना, शिवम शर्मा, राजू राठौड़, श्याम पाल सक्सेना, गुड्डू सक्सेना, अश्वनी, अमित सक्सेना, रामफल शर्मा, अमित अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

24वें दिन भी नि: शुल्क ठंडा जल शिविर द्वारा राहगीरो को पिलाया जा रहा है ठंडा पानी

अमर भास्कर, संवाददाता

बगरैन। जेठ की ऐतिहासिक गर्मी ने लोगो के आने जाने घर से वाहर निकले पर ब्रेक लगा दिये जो लोग जरूरी काम से वाहर निकल रहे है उन्हे रिकार्ड तापमान का सामना करना पड रहा, कस्वा बगरैन मे भीषण गर्मी मे राहगीरो को 24बे दिन नि: शुल्क ठंडा जल शिविर लगाकर राहगीरो को पानी पिलाया जा रहा है मंगलवार को निर्जला एकादशी पर मनौना धाम के सेवादार अखिलेश चौहान ने अपने सेवादार निखिल सिंह विपिन अम्बुज सुमन धीरेश सिंह राहूल के साथ सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक राहगीरो को जल शिविर लगाकर रोक रोक ठंडा पानी पिलाया , राहगीरो ने पानी पी कर तपती गर्मी मे चौन की सास ली । तथा नि: शुल्क जल शिविर की सराहना की। बगरैन कस्वे मे आईरा कार्यालय पर 26 मई से लगातार नि: शूल्क जल सेवा समाजसेवियो के सहयोग से चल रही है 26 जून को आईरा कार्यालय पर जल सेवा के समाजसेवियो का सम्मान समारोह किया जायेगा तथा जल संरक्षण पर गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा ।

मनौना धाम मे निर्जला एकादशी पर लाखो भक्तो ने बाबा दरवार मे लगाई हाजिरी

अमर भास्कर, संवाददाता

आंवला। रोहिलखण्ड की तहसील आवला स्थित श्री श्याम मंदिर मनौना धाम मे आस्था का सैलाव भीषण गर्मी आग वरषाती धूप भी भक्तो को नही डिगा पा रही है श्याम भक्त 6 से 8 घंटे लाइन मे लग कर वाबा श्याम के दर्शन कर अर्जी लगाकर अपनी मनोकामना पूर्ण कर रहे है वही मनौना धाम की पावन भूमि पर गोरखपुर के शहर विधायक श्री महेन्द्रपाल सिंह सतना मध्य प्रदेश के पूर्व सांसद श्री राज शेखर सिंह घोसी के पूर्व विधायक अरिवन्द जी बाबा श्याम के दरवार पहुचकर दर्शन किये प्रसाद का भोग लगाया तथा महंत जी से सुखमय जीवन के लिए आशीर्वाद लिया, वही बरेली के एडीएम प्रशासन दिनेश चन्द्र मिश्र एसपी देहात मानुष पारीख एसडीएम आवला श्री नन्नेराम ने पहली वार मनौना धाम पहुच कर वाबा श्याम के दर्शन कर प्रसाद का भोग लगाया तथा महंत जी से आशीर्वाद लिया , सोमवार को उत्तराखण्ड के मैजूदा मुख्यमंत्री का परिवार मनौना धाम पहुचा और लाइन मे लगकर वाबा श्याम के दर्शन कर प्रसाद का भोग लगाया तथा महंत जी से श्याम जल को अभिमंत्रित कराया , मंगलवार को निर्जला एकादशी पर भक्तो ने धाम पर आने के सारे रिकार्ड तोड दिये रविवार सोमवार मंगलवार तीन दिनो मे तीन लाख से ज्यादा देश भर से श्याम भक्त मनौना धाम पहुचे। वही धाम की व्यवस्था मे सेवादार दिन रात एक किये हुए है , तोरण द्वार से लेकर मंदिर तक पार्किग व्यवस्था बनाये रखना, जाम से भक्तो को बचाना, भीषण गर्मी मे घंटो लाइन मे लगे भक्तो को ठंडा पानी की सेवा। रखना सेवादारो के लिए महंत जी ने जिम्मेदारी दे रखी है धाम के सेवादार तथा प्रशासन मिलकर धाम की व्यवस्था बनाने मे जुटे है ।

सांड़ ने पटककर किसान को मार डाला

दातागंज। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिमरी बौरा में शनिवार शाम एक सांड़ ने 55 वर्षीय किसान अतरपाल को पटककर मार डाला। वह शाम के समय अपने खेत पर फसल की रखवाली करने गए थे। उस दौरान सांड़ फसल को चर रहा था। उन्होंने सांड़ को निकालने की कोशिश की लेकिन सांड़ ने उन पर ही हमला कर दिया। परिवार वाले उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। ग्राम सिमरी बौरा निवासी अतरपाल खेतीबाड़ी करते थे। वह शनिवार शाम करीब चार बजे अपने खेत पर फसल देखने गए थे। इंस्पेक्टर अरिहंत कुमार सिद्धार्थ ने बताया कि सूचना आई है। किसान के शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

बिल्सी-दातागंज मे पत्रकारों की पांच सूत्रीय मागों को लेकर प्रदर्शन

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है भारत मे मीडिया ने लोकतंत्र परमपराओ और जनतंत्र की रक्षा के लिए हमेशा अपनी कलम से योगदान कर सजग प्रहरी रहे है आल इण्डिया रिपोर्टर्स एसोसिएशन आईरा बदायूं पत्रकारो के हित के लिए देश भर मे आंदोलन कर धरना प्रदर्शन कर सरकार को ज्ञापन सौप कर कार्य कर रही है , तथा पत्रकारिता की गरिमा को बचाने के लिए तत्पर है मंगलवार को दातागंज मे जिला प्रभारी नरेन्द्र सिंह आईरा तहसील अध्यक्ष ठा कुलदीप सिंह तथा विल्सी तहसील अध्यक्ष आईरा अखिलेश सोलकी के नेतृत्व मे जिलाधिकारी बदायू तथा पुलिस अधीक्षक बदायूं के नाम उपजिलाधिकारी दातागंज तथा विल्सी तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी दातागंज तथा विल्सी को पांच सूत्रीये मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन कर शन्ति पूर्व घोषित कार्यक्रम द्वारा ज्ञापन सौपे , ज्ञापन मे मुख्य रूप से पांच मांगे पुलिस और क्षेत्रीय पत्रकारो के साथ हर जिले के हर थाने मे महीने मे वैठक कर पुलिस और पत्रकारो मे सामंजस्य बना रहे , पुलिस समाचार संकलन मे सहयोग करे , फर्जी प्रेस वाहन तथा फर्जी पत्रकारो पर पुलिस कार्यवाही करे , पत्रकारो पर विना उच्चस्तरीय जांच के मुकदमे न लिखे जाये फर्जी मुकदमे वापस हो , थानो मे बनाये गये समाचार सूचना ग्रुप सक्रिय रहे , ग्रुप के माध्यम से खबरो का आदान प्रदान हो सके , पुलिस पत्रकारो का सम्मान करे आदि मांगो को लेकर ज्ञापन सौपा , आईरा जिला प्रभारी ने दातागंज मे ज्ञापन के दौरान कहा कि आईरा बदायूं मे दो साल से लगातार पांच सूत्रीये मांगो को लेकर ज्ञापन सौप रही है जव तक पत्रकारो की मांगे प्रशासन नही मानता आईरा विरोध प्रदर्शन कर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन करती रहेगी , 24 जून को वरिष्ट पुलिस अधीक्षक को जिले की आईरा कमेटी ज्ञापन सौपेगी , तहसील अध्यक्ष विल्सी ने कहा कि आईरा पत्रकारो के हित के लिए पत्रकारिता की गरिमा बचाने के लिए तत्पर है जव तक पत्रकारो की पांच सूत्रीये मागे नही मानी जाती तव तक आईरा विरोध प्रदर्शन करती रहेगी। दातागंज मे ज्ञापन के दौरान जिला प्रभारी आईरा नरेन्द्र सिंह, तहसील अध्यक्ष कुलदीप सिंह, रोहित मिश्रा, गौरव सक्सैना, आशीष भारद्वाज, शकील बक्शी, पंकज शाक्य, हरिशरण शर्मा, राजेंद्र कुमार, हरिशंकर मिश्रा, हेमन्त महाजन, विल्सी मे तहसील अध्यक्ष अखिलेश सोलकी भानुप्रताप सिंह आकाश दीप सिंह अकरम मलिक वलभ्रद सिंह सुनील मौजूद रहे।

ईद-उल-अजहा के त्यौहार पर मुस्तैद रहा पुलिस फोर्स

ककराला। नगर के शाही ईदगाह ककराला में वहां के इमाम हाफिज रफी अहमद खां साहब ने नमाज अदा कराई हजारों लोगों ने नमाज अदा की और फिर हिंदू मुस्लिम एकता कायम करने और मुल्क की खुशहाली और सलामती की दुआ की। शाह इब्राहिम बाबा की दरगाह ईदगाह के बराबर में है चौकी इंचार्ज ककराला विक्रम सिंह का दरगाह के सज्जादा नशीन सूफी आबिद अली खान वरिष्ठ पत्रकार हामिद अली खान राजपूत पत्रकार अशरफ अली खान रहमानी गन हाउस के मालिक जुबैर रहमानी साजिद खान तसखीर आलम हाफिज जान मोहम्मद सकलैनी ने ईद का त्यौहार शाह कुशल सम्पन कराने पर पुष्प वर्षा की और मुबारकबाद दी इसी के साथ ककराला की और सभी मस्जिदों में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की लोगों ने जगह जगह तारीफ की।

संपादकीय

राष्ट्र की बात

आरएसएस और भाजपा का इतिहास प्रेमियों के बीच होने वाली नोकझोंक का जैसा रहा है। यह सोचना कि आरएसएस भाजपा के नेतृत्व में कोई बदलाव लाएगा सही नहीं है। जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के अहंकार को लेकर वक्तव्य देना शुरू किया तो उसके दिमाग में क्या चल रहा था। ऐसी चार घटनाओं में सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा आरएसएस कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के समापन अवसर पर दिया गया भाषण, संघ की कार्यकारी समिति के सदस्य और आरएसएस समर्थित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार द्वारा अहंकार का विशेष जिक्र शामिल है। कुमार ने कहा कि भगवान राम ने भाजपा को 240 सीट पर सीमित करके उसे उसके अहंकार का दंड दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि रामराज्य के न्याय ने यह भी सुनिश्चित किया कि इंडिया गठबंधन उससे भी कम 237 सीट पर सीमित रहे क्योंकि वह राम विरोधी है। आरएसएस के एक बुद्धिजीवी रतन शारदा अक्सर टेलीविजन चैनलों और समाचार पत्रों के पन्नों पर संगठन की विचारधारा और उसका नजरिया रखते हैं। उन्होंने खासतौर पर आलोचना करते हुए कहा कि उसने आरएसएस की आलोचना करने वाले लोगों को पार्टी में जगह देकर अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को नुकसान पहुंचाया और कीमत चुकाई। चैथा है एक लेख जो आरएसएस के मुखपत्र ऑर्गनाइजर में प्रकाशित हुआ। इसमें महाराष्ट्र में खराब प्रदर्शन के लिए अजित पवार नीत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन को वजह बताया गया। इन चार घटनाओं को देखें तो बीते एक दशक में यह आरएसएस की ओर से भाजपानीत मोदी सरकार की पहली संगठित आलोचना प्रतीत होती है। भागवत ने तो अपने भाषण में यह तक कहा कि वह विरोधी पक्ष को प्रतिपक्ष कहना पसंद करेंगे। यह बात हमें अगले प्रश्न की ओर लाती है। आरएसएस क्या हासिल करना चाहता है। इसमें वे सभी शामिल हैं जो सत्ता की राजनीति में कुछ हिस्सेदारी रखते हैं या राजनीतिक बहस में जिनकी अपनी एक आवाज है। सबसे पहले तो यकीनन वह यह देखकर आनंदित होगा कि उदारवादी धड़ा उसके हस्तक्षेप को लेकर कितना प्रसन्न है। वह समुदाय जिसने दशकों तक आरएसएस के विचार से लड़ाई लड़ी है अब उसे उसके प्रमुख की आलोचना में सहारा मिल रहा है। यह बात विडंबनापूर्ण तो है ही, हताशा को भी दर्शाती है। यहां तक कि कांग्रेस में भी कुछ लोगों ने भाजपा को चिढ़ाने के लिए ऐसा किया। आंशिक तौर पर उनका यह भी मानना है कि इससे नरेंद्र मोदी कमजोर होंगे। भागवत के बयान को उद्धृत करते हुए आलेखों और सोशल मीडिया पोस्ट की बाढ़ आ गई। इनमें कहा गया। कि हम समझते हैं कि आप हमारी बात नहीं सुनेंगे लेकिन कम से कम मोहन भागवत को सुनिए। चार जून के बाद के इस नए दौर में आरएसएस प्रमुख को मोदी-शाह की भाजपा की तुलना में थोड़ा कम उदार लेकिन अधिक स्वीकार्य माना जा रहा है। यह हालात का अत्यधिक गलत पाठ है। तथ्य तो यह है कि आरएसएस-भाजपा के रिश्ते ऐसे ही रहे हैं। इनमें कोई उल्लेखनीय बदलाव शायद ही आया हो। यह सोचना कि नागपुर की वजह से भाजपा नेतृत्व में कोई बदलाव लाएगा, इरादे और शक्ति दोनों का गलत पाठ है।

चुनाव ने मोदी के आलोचकों को दिखाया है कि मोदी को हराया जा सकता है। बहरहाल इसके लिए अगले पांच सालों तक कड़ी मेहनत की आवश्यकता होगी। एक के बाद एक राज्य के चुनावों में ऐसा करना होगा। ऐसा आंतरिक तख्तापलट से नहीं होगा। ऐसा कोई प्रमाण नहीं है जिससे संकेत मिले कि आरएसएस अपनी ही सरकार को अस्थिर करना चाहता है। अगर वे गुरु हैं और मौजूदा भाजपा नेतृत्व में उनके शिष्य हैं तो इसे इस तरह देखा कि नाखुश शिक्षक अपने छात्रों को खराब प्रदर्शन के लिए झिड़क रहा है। ऐसा नहीं है कि अतीत में कभी भाजपा और आरएसएस के बीच मतभेद नहीं हुए। हम तीन उदाहरण देखेंगे लेकिन इस बार चुनाव के बाद जो नजर आया है वैसा पहले कभी नहीं हुआ।

मौजूदा भाजपा की स्थापना 1980 में मूल भारतीय जनसंघ से हुई थी। वर्ष 1977 में जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हो गया था लेकिन वह पार्टी टूट गई। तब से हम भाजपा-आरएसएस के रिश्तों को देख रहे हैं। वर्ष 1984, 2004 और 2024 के तीन उदाहरणों पर विचार कीजिए।

बिजली के स्मार्ट मीटर से आ रहा स्मार्ट परिवर्तन

भारत में बिजली वितरण का कारोबार हमेशा से आपूर्ति किल्लत और घाटे के लिए बदनाम रहा है। कई वित्तीय योजनाओं के बावजूद सरकारी स्वामित्व वाली बिजली वितरण कंपनियां संकटग्रस्त हैं। हालिया वर्षों में डिस्कॉम को और कुशल बनाने के लिए एक नया नजरिया अपनाया गया है और इसका एक हिस्सा दो किलोग्राम वाले एक बॉक्स से संचालित होता है जिसे स्मार्ट मीटर कहा जाता है।

साल 2021 में 3 लाख करोड़ रुपये की लागत से शुरू की गई संशोधित वितरण क्षेत्र योजना का लक्ष्य डिस्कॉम के संचालन और वित्तीय स्थिति में सुधार करना था। पहले चरण में आरडीएसएस का एक बड़ा काम स्मार्ट मीटर लगाना था। इसके लिए केंद्र सरकार ने 10 हजार करोड़ रुपये जारी किए।

इसका लक्ष्य साल 2025 तक 25 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने का है। अदाणी पावर, एलऐंडटी, टाटा पावर और जीएमआर जैसी दिग्गज कंपनियों ने मीटर लगाने में अपनी रुचि दिखाई। सिक्योर मीटर्स एलऐंडटी, एचपीएल और जीनस जैसी विनिर्माण कंपनियों को मांग में तेजी की उम्मीद है। मार्ट मीटर मांग और वोल्टेज की जानकारी देते हुए बिजली आपूर्तिकर्ता और उपयोगकर्ता को जोड़ता है। यह डिस्कॉम की बिजली के उपयोग और खराबी को लेकर वास्तविक समय पर डेटा इकट्ठा करने में मदद करता है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर के उपभोक्ता मोबाइल फोन की तरह ही बिजली के उपयोग से पहले मीटर रिचार्ज करते हैं।

स्मार्ट मीटर से बिजली का दुरुपयोग रोकने और कुशल बिल तैयार करने में मदद मिलती है। इससे डिस्कॉम के कुल तकनीकी और वाणिज्यिक घाटे को भी कम किया जाता है। प्रीपेड से डिस्कॉम के लिए आमदनी पहले हो जाती है, जो उनके मांग पक्ष प्रबंधन में सुधार के लिए भी जरूरी है।

आपूर्ति के मोर्चे पर डिस्कॉम बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अधिशेष बिजली सुरक्षित रखती है और मांग खत्म होने पर स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के मसलों के पूर्वानुमान, प्रबंधन और समाधान करके डीएसएम में डिस्कॉम की सहायता करते हैं। मार्च में जारी केयर एज की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल आधार पर डिस्कॉम का एटीऐंडसी घाटा वित्त वर्ष 2020 के 20.73 फीसदी से कम होकर वित्त वर्ष 2023 में

15.4 फीसदी हो गया। रिपोर्ट में कहा गया। यह मुख्य तौर पर संग्रहण में सुधार के कारण हो सका। केयर एज रेटिंग्स को उम्मीद है कि मीटर लगाने की संख्या बढ़ने के कारण बिलिंग दक्षता में धीरे-धीरे सुधार होगा।

स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पहला ठेका वित्त वर्ष 2022 में दिया गया था और उत्तर प्रदेश और हरियाणा में इसकी शुरुआत हुई थी। नैशनल स्मार्ट ग्रिड मिशन के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में सर्वाधिक 31 लाख स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं। मगर बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों ने इसकी संख्या 36 लाख बताई है और उनका लक्ष्य 1.7 करोड़ मीटर लगाने का है। बिहार के प्रयासों से मदद मिली है। बीएसपीएचसीएल के अधिकारियों ने कहा कि डिस्कॉम की बिलिंग दक्षता वित्त वर्ष 2021 के 75.68 फीसदी से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 83.11 फीसदी हो गई है। एटीऐंडसी घाटा भी वित्त वर्ष 2022 के 29.77 फीसदी से कम होकर वित्त वर्ष 2024 में 21.74 फीसदी हो गया।

वित्त वर्ष 2024 में 15,108 करोड़ रुपये का राजस्व आया, जो एक साल पहले के मुकाबले 13.09 फीसदी अधिक था। बिहार में दो बिजली वितरण कंपनियां हैं। उत्तर और दक्षिण बिहार, दोनों सरकार के पास हैं। बिहार सरकार के ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव और बीएसपीएचसीएल के प्रबंध निदेशक संजीव हंस ने कहा, 'स्मार्ट मीटर लगने से बिजली चोरी की घटनाओं में भी कमी आई है। स्मार्ट मीटर बिजली की खपत पर सटीक और वास्तविक समय में डेटा देता है। इससे मैन्युअल मीटर रीडिंग से जुड़ी खामियां कम हो जाती हैं।

मीटर रीडिंग और बिलिंग प्रक्रिया स्वचालित होने से परिचालन लागत में भी कमी आई है। इसके अलावा डिस्कॉम के अधिकारी अब रखरखाव और ग्राहक सेवा पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। संजीव हंस ने कहा कि वास्तविक समय में डेटा देकर ये स्मार्ट मीटर उपभोग की स्थिति को समझने में मदद करते हैं। ग्राहक भी स्मार्ट मीटर इंटरफेस के जरिये अपनी बिजली के उपयोग के बारे में पूरी जानकारी ले सकते हैं। इससे जागरूकता बढ़ेगी और अधिक ऊर्जा कुशल व्यवहार बढ़ेगा। जिन क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं वहां ऊर्जा की खपत में कमी आई है।

स्मार्ट मीटरिंग और डिजिटल समाधान प्रदाता कंपनी इंटेलीस्मार्ट के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी अनिल रावल ने कहा कि बिजली वितरण को डिजिटल बनाने में स्मार्ट मीटर पहला चरण है। इंटेलीस्मार्ट सरकार के स्वामित्व वाली ईईएसएल और एनआईआईएफ का एक संयुक्त उद्यम है और राज्यों के स्मार्ट मीटर निविदाओं में भागीदार है। देश भर में 25 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने के लिए अनुमानित खर्च 1.1 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें 76 हजार करोड़ रुपये का ऋण भी शामिल है। डिस्कॉम को घाटे में कमी और बिलिंग के तौर पर इसका रिटर्न मिलेगा।

तपती गर्मी में एसी फ्रिज की मांग बढ़ी, लेकिन....

पूरे देश में पड़ रही भीषण गर्मी ने इस बार शीतलन उपकरणों की बिक्री बढ़ा दी है। एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर की बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौजूदा शहरी उपभोक्ताओं से बढ़ती मांग के अलावा छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में भी खरीदारी बढ़ रही है।

वर्ल्ड एनर्जी आउटलुक 2023 के मुताबिक, देश में एसी रखने वाले साल 2010 से तीन गुना बढ़कर प्रति 100 परिवारों में 24 तक पहुंच गए हैं। स्पेस कूलिंग के साथ-साथ ये क्षेत्र भी अब देश में बिजली की मांग बढ़ा रहे हैं। घर-घर में शीतलन उपकरण में वृद्धि के कारण शाम के वक्त बिजली की उच्च मांग देखने को मिली है, जो पहले कार्यालय अवधि के दौरान देखी जाती थी।

वक्त में एसी, फ्रिज और स्पेस कूलिंग रोजमर्रा की जरूरत बन गए हैं मगर अब पर्यावरण के प्रति चिंता सताने लगी है। पर्यावरणविदों ने बार-बार दोहराया है कि अधिक शीतलन उपकरणों से गर्मी भी बढ़ जाती है। शीतलन उपकरणों में मुख्य रासायनिक गैस हाइड्रोफ्लोरोकार्बन होती है और यही ओजोन परत के हल्के होते जाने का कारण है।

भारत में कम बिजली खपत वाले उपकरणों के लिए स्टार रेटिंग मानक है। साथ ही भारत हाइड्रोफ्लोरोकार्बन के उत्सर्जन को चरणबद्ध तरीके से कम करने के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल में किगाली संशोधन का सदस्य भी है। लेकिन, शीतलन उपकरणों के उपयोग में वृद्धि से निश्चित तौर पर गर्मी बढ़ेगी। अब देश की बिजली मांग का करीब 10 फीसदी स्पेस कूलिंग से आता है, जो साल 2019 में इसकी हिस्सेदारी से 21 फीसदी ज्यादा है। दिल्ली की आई फॉरेस्ट के मुताबिक, साल 2050 तक भारत में घरेलू एसी रखने वालों की संख्या नौ गुना बढ़ने का अनुमान है, जिससे शीतलन के लिए ऊर्जा मांग में भी नौ गुना वृद्धि होगी। आई फॉरेस्ट पर्यावरण के लिए हानिकारक शीतलन रसायनों के खिलाफ एक कार्य योजना तैयार कर रही है।

ब्लू स्टार के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने कहा कि भारत के करीब 8 फीसदी घरों में एसी की पहुंच है। इस साल हमारा बाजार आकार करीब 1.1 करोड़ होगा। चीन का बाजार आकार 9 करोड़ है। अब भारत तेजी से बढ़ने वाला बाजार है और साल 2045 से 2050 तक चीन को पीछे छोड़ देगा।' उन्होंने एसी की खरीद लगातार बढ़ने का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि भारत में वृद्धि मध्यम वर्गीय परिवारों के कारण है। 90 फीसदी से अधिक एसी पहली बार खरीदारी करने वालों को बेची जा रही है। 65 फीसदी एसी की खरीदारी मझोले, छोटे शहरों और कस्बाई इलाकों में हो रही है। 50 फीसदी से अधिक खरीदारी ऋण के जरिये की जाती है। ऐसे लोग 5 स्टार एसी खरीद नहीं सकते हैं इसलिए वे 3 स्टार अथवा 2 स्टार एसी की खरीदारी करते हैं। जितनी कम स्टार रेटिंग रहेगी एसी उतना ही कम कुशल और पर्यावरण के लिए खतरनाक होगा। साल 2021 में कारोबारों के आई फॉरेस्ट के सर्वेक्षण में एचएफसी के प्रमुख उपयोग की ओर इशारा किया गया था। कई कारोबारों ने प्राकृतिक रेफ्रिजरेंट की इच्छा जाहिर की लेकिन कोई भी एचसी अथवा कार्बन डाइऑक्साइड रेफ्रिजरेंट का उपयोग नहीं कर रहा था और कई तो रेफ्रिजरेंट के रूप में पानी या एनएच 3 का उपयोग कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया। बाजार में प्राकृतिक रेफ्रिजरेंट आधारित शीतलन उपकरण और अन्य प्रौद्योगिकी की पहुंच अभी सीमित है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में रेफ्रिजरेंट में बदलाव तीसरे चरण में है। प्रमोटिंग ग्रीन कूलिंग इन इंडिया ऐंड द ग्लोबल साउथ शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है।

खेल-खिलाड़ी

मुख्य कोच पद के लिए इकलौते आवेदक गौतम गंभीर बीसीसीआई ले सकती है इंटरव्यू

नई दिल्ली। टीम इंडिया के मौजूदा कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप 2024 के साथ समाप्त हो रहा है। बीसीसीआई ने नए कोच की तलाश शुरू कर दी है। पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर का नाम इस दौड़ में सबसे आगे है। इस बीच रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। बोर्ड गंभीर का इंटरव्यू ले सकता है। इसके अलावा वह इस पद के लिए आवेदन करने वाले इकलौते शख्स हैं।

मुख्य कोच बनने की चर्चा के बीच दिग्गज बल्लेबाज ने सोमवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इसकी जानकारी गंभीर ने सोशल मीडिया के जरिए दी। उन्होंने शाह के साथ तस्वीर को साझा करते हुए लिखा, हाल की चुनावी सफलता पर बधाई देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह जी से मुलाकात की। गृह मंत्री के रूप में उनका नेतृत्व हमारे राष्ट्र की सुरक्षा और स्थिरता को और मजबूत करेगा इस मुलाकात के बाद से चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। इस बीच रिपोर्ट में गंभीर के मुख्य कोच पद के लिए इकलौते आवेदक होने का दावा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिग्गज आज जूम कॉल पर क्रिकेट सलाहकार समिति के सामने इंटरव्यू के लिए मौजूद हो सकते हैं। पिछले महीने बीसीसीआई ने इस पद के लिए आवेदन मंगाए थे, जिसकी अंतिम तारीख 27 मई निर्धारित की गई थी। नए कोच का कार्यकाल जुलाई 2024 से 31 दिसंबर 2027 तक

रहेगा। क्रिकेट सलाहकार समिति में पूर्व क्रिकेटर अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुलक्षणा नाइक शामिल हैं। रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि सलिल अंकोला की जगह लेने वाले चयनकर्ता पद के उम्मीदवार का भी साक्षात्कार हो सकता है। अंकोला और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पश्चिम क्षेत्र से हैं, इसलिए नया चयनकर्ता उत्तर क्षेत्र से होने की संभावना है। पिछले साल जुलाई में अगरकर को नियुक्त किया गया था। उन्होंने चेतन शर्मा की जगह ली थी।

कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर गौतम गंभीर का मुख्य कोच बनना तय माना जा रहा है। दरअसल, बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि बीसीसीआई ऐसे दिग्गजों की तलाश कर रहा है जिन्हें घरेलू क्रिकेट की अच्छी समझ है। शाह ने कहा था कि, ष्हमारी राष्ट्रीय टीम के लिए सही कोच ढूंढना एक सावधानीपूर्वक और गहन प्रक्रिया है। हम ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो भारतीय क्रिकेट संरचना की गहरी समझ रखते हैं और रैंकों में आगे बढ़े हैं।ष् बीसीसीआई सचिव ने यह भी बताया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट की समझ होना अगले कोच की नियुक्ति के लिए महत्वपूर्ण मानदंडों में से एक होगा। उन्होंने कहा कि यह समझ टीम इंडिया को अगले स्तर तक ले जाने के लिए महत्वपूर्ण होगी।

विंडीज ने रचा इतिहास, पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर बनाते ही तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2024 का 40वां मुकाबला खेला गया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने इतिहास रच दिया। उन्होंने निकोलस पूरन और जॉनसन चार्ल्स की विस्फोटक साझेदारी की बदौलत पावरप्ले का सबसे बड़ा स्कोर बनाया। इसी के साथ विंडीज टीम ने नीदरलैंड्स का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने अपना पहला विकेट दूसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर खो दिया था। अजमतुल्लाह उमरजई ने ब्रेंडन किंग को सात रन के स्कोर पर आउट किया था। इसके बाद मोर्चा निकोलस पूरन और जॉनसन चार्ल्स ने संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 80 रनों की साझेदारी हुई। इसी के साथ वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में सबसे बड़ा स्कोर बनाया। शुरुआती छह ओवरों में विंडीज ने एक विकेट के नुकसान पर 92 रन बनाए। यह टी20 विश्व कप का चैथा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। इससे पहले यह रिकॉर्ड नीदरलैंड्स के नाम था। साल 2014 में उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ एक विकेट पर 91 रन बनाए थे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में वेस्टइंडीज ने पावरप्ले का चैथा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। इस प्रारुप में दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है जिसने 100 रन का आंकड़ा पार किया है। 2023 में द. अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती छह ओवर में 102 रन बनाए थे। इस मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। विंडीज टीम ने दमदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर तैयार किया। निकोलस पूरन की 98 रनों की दमदार पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 218 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि अफगानिस्तान के खिलाफ यह वेस्टइंडीज का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले आयरलैंड ने 2013 में अफगानिस्तान के खिलाफ 225/7 का स्कोर बनाया था। वहीं, यह टी20 विश्व कप के इतिहास का भारत के साथ संयुक्त रूप से चैथा सबसे बड़ा स्कोर है। इस मैच में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। विंडीज टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 218 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 16.2 ओवर में 114 रनों पर ऑलआउट हो गई।

आधुनिक नारी

मैं आधुनिक नारी हूँ।
जीती हूँ मैं सम्मान से, देखती दुनिया सारी है,
मैं आधुनिक नारी हूँ।
जिस युग मे मिलकर नर-नारी साथ-साथ चलते होंगे,
मैं उस आने वाले भविष्य की आस भरी चिंगारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ।
जो काम पुरुष करते अब तक वो अब मैने कर दिखलाया,
साहस, शक्ति स्वरूपा बनकर मैं पुरुषों पर भारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ।
परिवार हो या कार्यालय दोनों को साथ संभाला है।
सब कुछ सहेज लेती हूँ अब मैं रही नही बेचारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ।
अबला-अबला कहने वालो सुन लो अब बात ये खरी -खरी
मैं हूँ मर्दानी लक्ष्मी बाई, रखती मन मे खुद्दारी हूँ।
मैं आधुनिक नारी हूँ।

लेखक-
प्रतिमा पाठक, दिल्ली।

अमर भास्कर
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
• वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
• संरक्षक : हामिद अली खाँ
• संरक्षक : सुरेश प्रसाद शर्मा
• प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
• संपादक : अबरार अहमद
• कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
• व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
• मैनेजर : केपी यादव

हमारे यूट्यूब चैनल ***Amar Bhaskar News*** को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।
-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-
अमर भास्कर कार्यालय
निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।
पिन कोड-243601
Email- amarbhashkar21@gmail.com
Whatsapp. No. 9411214614

दिनदहाड़े ज्वैलरी शॉप में घुसे नकाबपोश बदमाश, दुकान में ही भिड़ गया कारोबारी

देहरादून। हरिद्वार कनखल थाना क्षेत्र के पंजनहेड़ी गांव में दिनदहाड़े दो नकाबपोश बदमाश सर्राफा कारोबारी की दुकान में घुस गए। लूट की कोशिश करने लगे तो कारोबारी साहस का परिचय देते हुए उनसे भिड़ गया। इस दौरान उन्होंने कारोबारी पर तमंचे की बट से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों बदमाश दुकान से निकलकर बाहर भागे और अपने तीसरे साथी के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस टीमों ने आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पंजनहेड़ी गांव में सड़क किनारे एमके ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। मंगलवार की

दोपहर बाइक पर सवार होकर तीन बदमाश दुकान के बाहर पहुंचे।

एक बदमाश बाइक पर बाहर खड़ा हो गया। दो दुकान में अंदर घुस गए और शटर नीचे डाल दिया। एक बदमाश ने कारोबारी को तमंचा दिखाते हुए डराया तो दूसरे ने तमंचे की बट से सिर पर हमला कर दिया, जिससे कारोबारी घायल हो गया। लेकिन फिर भी कारोबारी ने हिम्मत नहीं खोई। उसने बदमाशों का विरोध किया और उन्हें धक्का देकर उनकी तरफ आगे बढ़ा। कारोबारी के साहस को देख बदमाश भाग खड़े हुए। दोनों बदमाश बाहर भागकर निकले और बाइक पर बैठकर फरार हो गए। बदमाशों के पीछे-पीछे कारोबारी भी बाहर भागकर आया और तीनों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी फरार हो गए।

इसके बाद कारोबारी ने जगजीतपुर चौकी पहुंचकर मामले की जानकारी दी। पुलिस ने घायल कारोबारी को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भिजवाया। घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालते हुए बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि बदमाशों की तलाश की जा रही है।

महोबा में लू व बुखार से किसान समेत पांच की मौत

कानपुर। महोबा जिले में भीषण गर्मी व गर्म हवाओं ने लोगों का हाल-बेहाल कर दिया है। मंगलवार को लू और बुखार की चपेट में आने से किसान समेत पांच लोगों की और मौत हो गई। वहीं सात लोगों की लू से हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल व निजी क्लीनिकों में उल्टी, दस्त और बुखार के मरीजों की भीड़ है। थाना खन्ना के ग्योड़ी निवासी बउआ वर्मा (77) राशन लेने सरकारी राशन दुकान गया था। वापस लौटते समय लू की चपेट में आने से वह अचेत होकर गिर गए। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ला रहे थे लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। थाना कबरई के गंज निवासी बब्बू (64) को खेत जाते समय लू लग गई।

हाईवे पर रात के समय यात्री और पर्यटक वाहनों के संचालन पर लगेगी रोक

उत्तराखंड। ऋषिके श-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रैंतोली में हुए टेंपो-ट्रैवलर हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस जिले में व्यवस्थित यातायात के लिए कार्ययोजना बनाने में जुट गए हैं। रात के समय जिले में यात्री व पर्यटक वाहनों का संचालन पर रोग लगाने की तैयारी की जा रही है। साथ ही दिन के समय जनपद में पहुंचने वाले बाहरी व स्थानीय वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर कितनी गति में दौड़ रहे हैं। इसके लिए परिवहन विभाग स्पीड मीटर लगाएगा।

बेतरतीव वाहनों के संचालन पर रोक लगाने और आगामी मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन व पुलिस रात्रि के समय हाईवे पर वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की तैयारी में हैं। ऋषिकेश-बदरीनाथ व रुद्रप्रयाग-गौरीकुंड हाईवे पर डेंजर जोन और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए वाहनों को रात के समय रुद्रप्रयाग से आगे नहीं जाने दिया जाएगा। पुलिस के अनुसार, इस दिशा में प्रशासन के प्रारंभिक चरण की बातचीत हो चुकी है। जल्द ही योजना को अमलीजामा पहनाते हुए समय तय किया जाएगा। व्यवस्था को कारगर बनाने के लिए खांकरा, नगरासू, चिरबटिया में बैरियर स्थापित कर सीसीटीवी कैमरा से लैस कर सीधे

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जोड़ा जाएगा।

इन दोनों कार्यालयों से जिले की सीमाओं और हाईवे पर संचालित यातायात की मॉनीटरिंग की जाएगी। दूसरी तरफ परिवहन विभाग भी जिले में दौड़ रहे वाहनों की गति की मापन की तैयारी कर रहा है। तेज रफ्तार पर नियंत्रण के लिए स्पीड मीटर लगाने के लिए विभगीय स्तर पर कार्ययोजना बनानी जा रही है।

वाहनों पर रिकार्डिंग कैमरा से छोटी-बड़ी दुर्घटना के कारणों की पूरी जानकारी मिल सकेगी। रैंतोली में हुए टेंपो-ट्रैवलर हादसे के बाद प्रशासन इस दिशा में भी सोच रहा है कि, जिले में आने वाले निजी व सरकारी यात्री व पर्यटक वाहनों पर रिकार्डिंग कैमरा अनिवार्य रूप से स्थापित किया जाए।

ऐसे में वाहन के पूरे सफर के बारे में जहां जानकारी मिलेगी। वहीं, अगर दुर्घटना होती है तो उसके कारणों की प्रत्यक्ष जानकारी मिल सकेगी। आगामी बरसाती मौसम व विषम भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए जनपद में यात्री व पर्यटक वाहनों का संचालन रात के समय किसी भी स्तर पर न हो, इसके लिए योजना बनाई जा रही है। रात होते ही जिला मुख्यालय से आगे किसी भी यात्री वाहन को जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। साथ ही स्थानीय वाहन को भी अनिवार्य आवश्यकता पर ही आगे जाने की अनुमति पर विचार किया जा रहा है। इस संबंध में प्रारंभिक बैठक भी की जा चुकी है।

बिनसर में आग से वन्यजीव संकट में

अल्मोड़ा। बिनसर अभयारण्य प्रकृति प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यह अभयारण्य तेंदुए, घुरड़, काला भालू, कांकड़, सिराव सहित अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के साथ ही गिद्ध, उल्लू, कोलास, करोली सहित कई पक्षियों का आशियाना है। वनाग्नि ने इस अभयारण्य की प्राकृतिक सुंदरता पर ग्रहण लगाने के साथ ही इन वन्यजीवों और पक्षियों के अस्तित्व पर गहरी चोट की है। हालात यह हैं कि यहां मौजूद वन्यजीव अपनी जान बचाने के साथ ही भोजन की तलाश में आबादी का रुख करने लगे हैं। अभयारण्य से सटे गांवों में तेंदुआ सहित अन्य वन्य जीवों की मौजूदगी इसका प्रमाण है। अभयारण्य के नजदीक रानीखेत में नगर के बीचोबीच छावनी परिषद के कार्यालय में नजर आए तेंदुए के यहां पहुंचने के पीछे भी वनाग्नि कारण बताई जा रही है। छावनी परिषद के कार्यालय में रविवार रात एक तेंदुआ सीसीटीवी में कैद हुआ है। वहीं, तीन दिनों तक दिन-रात सुलग रहे अभयारण्य को देखते हुए कई वन्यजीवों का जंगल की आग से अस्तित्व मिटने का भी अनुमान है। वन विभाग भी इस बात से इनकार नहीं कर पा रहा है। 1988 में स्थापित बिनसर अभयारण्य 45.59 किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां कई वनस्पतियों और जीवों की मौजूदगी है। बीते दिनों यहां लगी आग से कई वनस्पतियां जल गईं। संरक्षित अभयारण्य में फॉर्किटेल, ब्लैकबर्ड्स, लाफिंग थ्रश, कालिज तीतर, नटचैचेस, पारकेट और मोनाल सहित कई दुर्लभ पक्षी मौजूद हैं। वनाग्नि से इनके घोंसले के साथ कई पक्षियों की मौत की संभावना है।

सार-संक्षेप

पुलिस ने लाखो रूपये की कीमती शीशम व सागौन के 25 गिल्टो के साथ दो अन्तर्राज्यीय वन तस्करों को किया गिरफ्तार

गिल्टो के साथ दो अन्तर्राज्यीय वन तस्करों को किया गिरफ्तार

काशीपुर। देर रात्रि में पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई। कि दो अन्तर्राज्यीय वन तस्करो के द्वारा आरक्षित वन क्षेत्र गुलजारपुर से लाखो रूप्यो की कीमती शीशम व सागौन की लकड़ी को चोरी से काटकर एक ट्रैक्टर ट्राली में लादकर उत्तर प्रदेश के स्वार रामपुर की मंडी में बेचने के लिये ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर हरकत पर उ.नि राजेन्द्र प्रसाद चौकी प्रभारी कुण्डेश्वरी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। और पुलिस टीम के द्वारा घेराबन्दी करके ढ़किया जैतपुर रोड पर एक ट्रैक्टर ट्राली को शीशम व सागौन के कीमती इमारती लकडी के 25 गिल्टों के साथ दो अन्तर्राज्यीय वन तस्करो को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बन तस्कर 1-रईस अहमद पुत्र मोहम्मद जान निवासी रसूलपुर गोजा थाना स्वार जिला रामपुर उत्तर प्रदेश उम्र 5० वर्ष व 2-अभियुक्त रिजवान अली पुत्र अकबर अली निवासी अलीनगर थाना स्वार जिला रामपुर उत्तर प्रदेश उम्र 4० वर्ष ने पूछताछ में वन तस्करो के द्वारा पिछले काफी लम्बे समय से आरक्षित वन क्षेत्रो से चोरी छिपे इमारती लकडी को रामपुर, स्वार आदि अलग अलग जगहो पर ऊचे दामो में बेचने की बात बतायी गयी। माल बरामदगी के आधार पर उक्त वन तस्करो के खिलाफ कोतवाली काशीपुर में मु. एफआईआर नम्बर 288/2०24 धारा 26 वन अधिनियम व 379/411 भादवि का अभियोग पजीकृत किया गया।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण करें निस्तारण: डीएम

बहजोई। कलेक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में आईजीआरएस डिफॉल्टर लंबित संदर्भों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सी-श्रेणीगत संदर्भ, असंतोष जनक फीडबैक, डिफाल्टर संदर्भ से संबंधित विस्तार पूर्वक समीक्षा की गई। विद्युत विभाग, जिला समाज कल्याण विभाग, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, पशुपालन विभाग आदि संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा, कि शिकायत को संज्ञान में लेते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना सुनिश्चित करें तथा क्षेत्र में जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए शिकायत का निस्तारण करें। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायत का समय से निस्तारण करें जिससे शिकायत डिफाल्टर श्रेणी में ना जा सकें। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक दिन प्रात: 1० बजे से 12 तक अपने कार्यालय में जनता दर्शन के अंतर्गत जन सामान्य की समस्याओं को सुनें एवं समस्या का शीघ्र ही गुणवत्तापूर्ण निस्तारण भी सुनिश्चित किया जाए, जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जन मानस को जनता दर्शन के समय का प्रचार प्रसार भी किया जाए। ताकि लोग अपनी समस्या का निस्तारण समय से करा सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी कारण अगर कार्यालय में अधिकारी जनसुनवाई के समय नहीं बैठ पाता है। तो अपने अधीनस्थ को बैठा कर जन समस्या का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। तथा विकास से संबंधित विभाग के अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी को अपने ना बैठने के कारण से अवगत कराये तथा राजस्व विभाग से संबंधित अधिकारी अपर जिलाधिकारी को अवगत कराना सुनिश्चित करें की किस कारण से वह जनता दर्शन में अनुपस्थित हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी ज्ञान सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, उप जिलाधिकारी संभल विनय कुमार मिश्रा,उप जिलाधिकारी चंदौसी नीतू रानी, डिप्टी कलेक्टर दीपक चौधरी, जिला विद्यालय निरीक्षक वेदराम, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर, जिला पंचायत राज्य अधिकारी उपेंद्र कुमार पांडे, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी एवं संबंधित तहसीलदार एवं खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी की बड़ी कार्रवाई, गुन्नौर थाना प्रभारी समेत 39 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

अमर भास्कर, ब्यूरो

सम्भल। गुन्नौर थाना प्रभारी संजीव कुमार बालियान को पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर कर दिया है। इनके अलावा छह चैकी प्रभारी समेत 13 दरोगा और 25 सिपाही लाइन हाजिर किए हैं।

पुलिस अधीक्षक की इस बड़ी कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। जिन पुलिसकर्मी को लाइनहाजिर किया गया है उनकी बड़ी लापरवाही सामने आई है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई है।

गुन्नौर थाना प्रभारी के लाइन हाजिर होने को लेकर चर्चा है कि गांव भोजराजपुर में हुई महिला की हत्या में गाज गिरी है। वहीं

चौकी प्रभारियों की कार्यशैली संतोषजनक नहीं होने के चलते कार्रवाई किए जाने की चर्चा हो रही है। चौधरी सराय पुलिस चौकी के प्रभारी पर राजनीतिक दलों ने भी कई बार पक्षपात पूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाया। दूसरी ओर चौकी के नजदीक ही अवैध कार स्टैंड संचालित होता रहा और कार्रवाई सोमवार को तब हुई जब अधिकारियों ने निर्देश किए। चर्चा है कि इन्हीं दो कारण के चलते चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किया गया है। इसी तरह की लापरवाही के चलते अन्य चौकी प्रभारी व थानों में तैनात दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

वहीं दूसरी तरफ हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शिकायतों के आधार पर लाइन हाजिर किए गए हैं। हालांकि पुलिस अधीक्षक ने लाइन हाजिर की इस कार्रवाई को कानून व्यवस्था की स्थिति को मजबूत बनाए के लिए किए जाने की बात कही है।

पुलिस ने अवैध शस्त्र समेत बदमाश को किया गिरफ्तार

संभल। थाना हजरतनगर गढी पुलिस ने पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश को पकड़ कर एक बहुत बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यह बदमाश काफी समय से फरार चल रहा था। और पुलिस की गिरीफ्थ से बाहर चल रहा था। जिसको पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह गुनावत अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी के निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा था जिसको गंभीरता से लेते हुए, थाना प्रभारी विनोद कुमार मिश्रा हजरत नगर गढी ने कानून व्यवस्था तथा अपराध करने वाले अपराधियों को पर शिकंजा कसने के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। जिसमें थाना हजरत नगरगढी पुलिस गस्त चेकिंग कर रही थी जिसमें मुखबिर ने सूचना दी मुखबिर की सूचना पाकर थाना हजरत नगर गढी पुलिस मौके

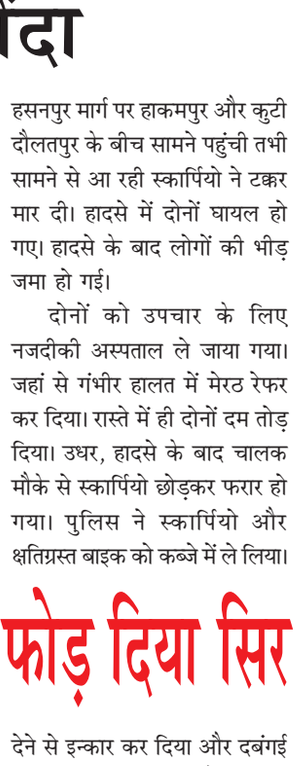

पर पहुंच गई। अभियुक्त अशागीर उर्फ आशगीर उर्फ शकीर उर्फ पाशा पुत्र मोहम्मद फुरकान निवासी ग्राम फतेहपुर माफी उर्फ टिकिया थाना डिडौली जनपद अमरोहा को रेलवे फाटक सिरसी के पास थाना हजरत नगर गढी क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एकादशी के उपलक्ष भाकियू शंकर ने किया शरबत वितरण

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। थाना नखासा क्षेत्र में ग्राम पंचायत चमरौआ में भारतीय किसान यूनियन शंकर संगठन द्वारा एकादशी के उपलक्ष में राहगीरों को शरबत वितरण किया गया। भीषण गर्मी में राहगीरों ने ठंडा शरबत पीकर राहत की सांस ली। इस अवसर पर संगठन के युवा जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने कहा, कि हमें समय-समय पर ऐसे मानवीय कार्यों में, सामाजिक कार्यों में भाग लेना चाहिए। प्यासे को पानी पिलाना एवं भूखे को खाना खिलाना सबसे बड़ा धर्म है स इससे मन को शांति मिलती है। कामेन्द्र चौधरी, कुलदीप

शर्मा जिला महामंत्री, अंकुर शर्मा, बिट्टन शर्मा, प्रिंस शर्मा, अभिषेक भाटी, तरुण शर्मा, शोभित भाटी, महेंद्र सैनी, अनिकेत गुर्जर, विकास कश्यप, आजम खान आदि लोग उपस्थित रहे।

बकरीद मनाकर लौट रहे बाइक सवार दंपत्ती को स्कार्पियो ने रौंदा

अमर भास्कर, ब्यूरो

मुरादाबाद। हसनपुर-रहरा मार्ग पर हाकमपुर के नजदीक स्कार्पियो ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार वसीम (22) और उसकी पत्नी मंतशा (2०) की मौत हो गई। वसीम बकरीद मना कर अपनी ससुराल से वापस लौट रहा था। हादसे के बाद चालक कार को छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। उधर, हादसे से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है। सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव गलसुआ निवासी किसान

इलियास के बेटे वसीम चौधरी की शादी दो साल पहले रहरा थाना क्षेत्र के गांव मछरिया निवासी मंतशा के साथ हुई थी।

वसीम मजदूरी करके परिवार का पालन पोषण करता था। दस दिन पहले मतंशा अपने मायके गई थी। वसीम चौधरी बकरीद पर ससुराल में मिलने गया था। मंगलवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे वह पत्नी मंतशा को साथ लेकर बाइक से अपने गांव जा रहा था। जैसे ही बाइक रहरा हसनपुर मार्ग पर हाकमपुर और कुटी दौलतपुर के बीच सामने पहुंची तभी सामने से आ रही स्कार्पियो ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों घायल हो गए। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई।

दोनों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां से गंभीर हालत में मेरठ रेफर कर दिया। रास्ते में ही दोनों दम तोड़ दिया। उधर, हादसे के बाद चालक मौके से स्कार्पियो छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने स्कार्पियो और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया।

बिजली नहीं आने से नाराज किसानों ने जेई को पीटा, लाठी व ईंट पत्थरों से फोड़ दिया सिर

अमर भास्कर, ब्यूरो

मुरादाबाद। अगर पंचायत महमूदपुर माफी में मंगलवार दोपहर भीषण गर्मी में कम बिजली मिलने से नाराज किसानों ने अवर अभियंता जयवीर सिंह पर लाठियों और ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। इसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

घटना के समय जेई महमूदपुर माफी में चेकिंग कर रहे थे। इस बीच किसान अपनी बिजली की समस्या लेकर पहुंचे थे। किसानों का कहना था कि बिजली नहीं मिलने से खेतों में फसलों की सिंचाई नहीं हो रही है। फसल सूखने के कगार पर आ गई है। जेई ने किसानों से कहा कि फाल्ट की वजह से बिजली नहीं आ रही है यह सुनते ही किसान भड़क उठे। इसके बाद कुछ लोगों ने जेई से लाठियों से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान ईंट-पत्थर से भी हमला किया गया।

इससे जेई का सिर फट गया और खून बहने लगा। हंगामे के दौरान बमुश्किल बीचबचाव हो सका। मारपीट में दो किसानों के भी चोटें आई हैं। मैनाठेर पुलिस ने घायल जेई को उपचार के लिए जिला अस्पताल

भेजा है। जेई के साथ मारपीट की जानकारी पर संभल डिवीजन के अधिशासी अभियंता और एसडीओ ने जेई से बात की। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वहीं मैनाठेर कोतवाल का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। हमलावरों की पहचान की जा रही है। मैनाठेर थाना क्षेत्र में किराया मांगने पर रोडवेज बस के परिचालक को कुछ लोगों ने पीट कर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रोडवेज की बस के परिचालक शिव कुमार ने मैनाठेर थाने में दी तहरीर में बताया। कि बस में 56 यात्री सवार थे। शानू नाम का यात्री ताहरपुर के लिए सवार हुआ था। रास्ते में परिचालक ने शानू से किराया मांगा। आरोप है कि शानू ने किराया देने से इन्कार कर दिया और दबंगई दिखाते हुए गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान उसने फोन कर अपने साथियों को बुला लिया था। ताहरपुर बाजार के सामने बस को रुकवा लिया। इसके बाद उसे बस से उतार कर मारपीट की गई। यात्रियों से भी अभद्रता की। मैनाठेर पुलिस ने परिचालक शिव कुमार की तहरीर पर आरोपी शानू और नौ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर किया गया। एसपी देहात संदीप कुमार मीना ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज एक आरोपी शानू को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चारा खाने पर काट दिया ऊंट का पैर

दुबई। घटना बीते सप्ताह की है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के संघर जिले के मुंड जमराव गांव में ऊंट का दाहिना पैर काटने के बाद रुस्तम शार और उसके पांच नौकरों ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। इस वीडियो के सोशल मीडिया पर पोस्ट होने के बाद पशु अधिकार संगठनों और लोगों ने जमकर विरोध किया।

आलोचना और विरोध के बीच लोगों ने सरकारी से जमींदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। ऊंट के मालिक किसान सूमर बेहन ने मामले की जानकारी तब तक पुलिस को नहीं दी जब कि मामला सोशल मीडिया पर प्रकाश में नहीं आया, जब तक विरोध शुरू नहीं हो गया। विरोध शुरू होन के बाद अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया। सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह के निर्देश पर आश्रय स्थल का दौरा किया गया। उसके बाद पशुधन सचिव काजिम जाटो ने बताया, ऊंट को तुरंत कराची में व्यापक आपदा प्रतिक्रिया सेवा पशु आश्रय स्थल में ले जाया गया। ऊंट के लिए दुबई से कृत्रिम पैर मंगवाया गया है।

सचिव ने बताया कि सिंध सरकार ने पशु के उपचार का खर्च उठाने का वादा किया है। वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी दुबई से ऊंट के लिए कृत्रिम पैर की व्यवस्था कर रहे हैं। जाटोई ने कहा कि ऊंट का पैर ठीक हो रहा है। उसके उपचार में अगले चरण के लिए मंगलवार को उसका एक्स-रे किया जाएगा।

सीडीआरएस बेनजी निदेशक सारा जहांगीर ने कहा कि आश्रय स्थल के कर्मचारियों ने ऊंट को प्यार से कैमी नाम दिया गया। उसको संक्रमण का खतरा लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा, ष्वह स्थिर है, लेकिन उसका पैर संक्रमित है।ष् ष्उपचार में ड्रेसिंग, एंटीबायोटिक्स और प्ट द्रव लगाना शामिल है। संक्रमण को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि किसान ने अपराधी की पहचान करने और उसके खिलाफ आरोप लगाने से इनकार कर दिया। इसलिए राज्य की ओर से छह अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस द्वारा दर्ज की गई एक अन्य प्राथमिकी में कहा गया है कि शनिवार को जब पुलिस अधिकारियों ने छह संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोशिश की तो उनका विरोध किया गया और उन पर हमला किया गया। सब-इंस्पेक्टर अत्ता हुसैन जट्ट ने बताया कि संदिग्धों को रविवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट आसिफ सियाल के समक्ष पेश किया गया और उन्हें चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को घटना में इस्तेमाल हथियार नहीं मिला है, मामले की जांच चल रही है।

चार भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने मंगलवार को चार भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया। नौसेना ने उन पर अपने जल क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप लगाया है। इस तरह के आरोपों में इस साल अब तक 180 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया है। द्वीप राष्ट्र की नौसेना ने एक बयान में कहा कि जाफना प्रायद्वीप के डेल्फ्ट के उत्तरी द्वीप में आज कथित तौर पर अवैध शिकार की ताजा घटना में एक भारतीय नौका जब्त की गई और चार मछुआरों को गिरफ्तार किया गया।

द्वीप राष्ट्र की नौसेना ने एक बयान में कहा कि जाफना प्रायद्वीप के डेल्फ्ट के उत्तरी द्वीप में आज कथित तौर पर अवैध शिकार की ताजा घटना में एक भारतीय नौका जब्त की गई और चार मछुआरों को गिरफ्तार किया गया। नौसने ने कहा कि श्रीलंकाई जल क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध मछली पकड़ने के लिए 2024 में अब तक 182 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया गया है।

ड्रैगन ने की जी-7 की आलोचना

बीजिंग। चीन ने इटली में हुए जी 7 शिखर सम्मेलन की आलोचना की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने जी 7 देशों पर चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल कर ड्रैगन को ही बदनाम करने का आरोप लगाया। जी7 शिखर सम्मेलन में चीन के बयान को लेकर लिन जियान ने एक प्रेस कांफ्रेंस की। लिन जियान ने कहा कि जी 7 सम्मेलन में नेताओं ने चीन से संबंधित मुद्दों का इस्तेमाल ड्रैगन की निंदा करने और उसपर हमला करने के लिए किया।

उन्हीं झूठे आरोपों का इस्तेमाल किया गया, जिसका कोई आधार नहीं है। यह केवल झूठ से भरे हुए हैं। उन्होंने जी 7 की आलोचना करते हुए कहा, यह दुनिया का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इन सात देशों में दुनिया की केवल 10 प्रतिशत आबादी रहती है। इन सभी को एक साथ लाने के बावजूद ये वैश्विक आर्थिक विकास में चीन से कम योगदान देते हैं। चीन

के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, जी 7 लंबे समय से अपने लक्ष्य से भटका हुआ है। यह अमेरिका और पश्चिमी देशों के वर्चस्व को बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक टूल बन गया है।

यह अपने नियम और फैसले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर अंतरराष्ट्रीय नियम के उद्देश्य और सिद्धांत से ऊपर रखता है। लिन जियान ने जी-7 पर सैन्य युद्धाभ्यास और क्षेत्रीय हस्तक्षेप के माध्यम से तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। विशेष ग्रुप बनाकर विभिन्न गुटों को भड़काता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह का कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को कमजोर करती है। जी 7 शिखर सम्मेलन में नेताओं ने हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं पर जोर दिया।

शिखर सम्मेलन के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि वे चीन को नुकसान पहुंचाने और उसके आर्थिक विकास को विफ्ल करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। बता दें कि जी 7 सात देशों से मिलकर बना है, इसमें अमेरिका, यूके, कनाडा, जर्मनी, इटली, जापान और फ्रांस शामिल हैं। इटली में आयोजित जी 7 शिखर सम्मेलन के लिए वहां की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निमंत्रित किया था। यह सम्मेलन इटली के अपुलिया में 13 से 15 जून तक आयोजित किया गया था।

राष्ट्रपति बाइडन जहां कर रहे थे अभियान

कैलिफोर्निया। देश में जब राष्ट्रपति और अन्य राजनेता और महशूर चेहरे एक कार्यक्रम में मौजूद थे, उसी समय उसी शहर के अन्य इलाके में यूएस सीक्रेट एजेंट के साथ बंदूक की नोक पर लूटपाट हो गईयह घटना शनिवार की है, स्थानीय समयानुसार लगभग 9रू30 बजे टस्टिन फील्ड्स एक आवासीय समुदाय डकैती की शिकायत की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार टस्टिन पुलिस विभाग की टीम सूचना मिलने पर वहां पहुंची।

पीड़ित व्यक्ति ने बताया कि वह सीक्रेट सर्विस का सदस्य है। घटना के बारे में बताते हुए उसने बताया कि उसका सामान बंदूक की नोंक पर जबरन छीना गया। यही नहीं स्थिति यहां तक गंभीर हो गई थी कि उस पर गोलीबारी भी की गई। हालांकि एजेंट को चोट आई या नहीं इसी पुष्टि नहीं हो सकी है।बता दें कि उसी समय राष्ट्रपति बाइडेन लॉस एंजिल्स में एक अभियान में शामिल हुए। पीकॉक थिएटर में आयोजित इस समारोह में जॉर्ज क्लूनी, जूलिया रॉबर्ट्स और बारबरा स्ट्रीसैंड सहित कई चर्चित चेहरे उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में बाइडेन अभियान के लिए 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक धनराशि जुटाई। इस धन उगाहने के लिए टिकटों की कीमत बहुत अलग-अलग थी। बता दें कि मूल प्रवेश के लिए 250 अमेरिकी डॉलर से लेकर बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ व्यक्तिगत फोटो जैसे विशेष लाभों के लिए पांच लाख डॉलर तक था।वहीं दूसरी ओर इस घटना में संदिग्धों का पता लगाने के अब तक के सभी प्रयास फेल हो गए। हालांकि पीड़ित का कुछ सामान आस-पास के क्षेत्र से बरामद किया गया था। इस घटना के आरोपियों की जांच चल रही है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने एक वाहन का विवरण बताया है, विवरण के अनुसार वो 2004-2006 सिल्वर इनफिनिटी एफएक्स 35 या इससे मिलता-जुलता मॉडल था।

घटना के बाद यही वाहन घटनास्थल से निकलते देखा गया था। वहीं दूसरी ओर पुलिस अधिकारी अन्य जनता को आश्वासन दे रहे हैं कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं है। टस्टिन पुलिस विभाग ने डकैती में शामिल अपराधी की पहचान करने में सहायता के लिए एक सार्वजनिक अपील की है।

राष्ट्रपतिचुनाव से पहले जो बाइडन करेंगे बड़ी घोषणा

वाशिंगटन। राष्ट्रपति जो बाइडन अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। बता दें अमेरिका में इस वर्ष राष्ट्रपति चुनाव भी होने हैं। दरअसल इससे पहले बाइडन ने इस महीने की शुरुआत में अप्रवासन को लेकर सीमा पर आक्रामक नीति अपनाई थी।

कई डेमोक्रेटिक सांसद नाराज हो गए थे। अब बाइडन के इस कदम को अपनी आक्रामक नीति को संतुलित करने के कदम के तौर पर देखा जा रहा है। व्हाइट हाउस की तरफसे इस बारे में एक आधिकारिक बयान जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि आने वाले महीनों में अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों को स्थाई नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी। इससे पांच लाख से ज्यादा अप्रवासियों को राहत मिल सकती है।

अचानक से अटक गए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन

वाशिंगटन। लॉस एंजिल्स में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन फिर से मंच पर अचानक से पूरी तरह से फ्रीज हो गए। जिसे लेकर फिर से सवाल उठ रहे हैं कि क्या अमेरिका राष्ट्रपति पूरी तरह से स्वस्थ हैं। एक सवाल और भी उठ रहा है कि क्या जो बाइडन को फिर से राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहिए। दरअसल जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ शनिवार को डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक धन जुटाने के कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

पीकॉक थियेटर में जिम्मी किमेल के साथ 45 मिनट के इंटरव्यू के बाद दोनों नेता जनता का अभिवादन स्वीकार रहे थे। इसी दौरान जो बाइडन मंच पर पूरी तरह से फ्रीज नजर आए, हालांकि मौके पर मौजूद पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने समय रहते हुए उनका हाथ पकड़ा और मंच से नीचे उतारा। बराक ओबामा के जो बाइडन का हाथ पकड़ने के बाद ऐसा लगा कि जो बाइडन नींद से जागे हैं।

फिलहाल सोशल मीडिया पर बराक ओबामा के जो बाइडन को उतारने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वहीं इस वीडियो के सामने आने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के स्वस्थ होने पर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि कई मौके पर जो बाइडन अलग-अलग तरह की हरकत या अचानक से अस्थिर देखे गए हैं। इससे पहले जी-7 सम्मेलन के दौरान भी जो बाइडन अलग तरह की हरकत करते हुए देखे गए थे।

जब सभी नेताओं के साथ खड़े जो बाइडन अचानक से दूर जाने लगे थे। इस मौके पर इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने उनका हाथ पकड़ वापस सभी नेताओं के पास ले आती दिखीं थी। इससे पहले, व्हाइट हाउस में एक संगीत समारोह के दौरान, जो बाइडन कुछ सेकेंड के लिए एकदम शांत दिखाई दिए। इस दौरान वे सीधे खड़े होकर दूर की ओर देखते रहे, जबकि मौके पर मौजूद उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ अन्य लोग नाचते और गाना गाते दिख रहे थे। वैसे तो अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐसे कई वीडियो सामने आ चुके हैं। और आम जनता लगातार इसे लेकर सवाल भी पूछ रही है।

वहीं अब नया वीडियो आने के बाद सोशल मीडिया पर कई यूजर्स सवाल पूछ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा ये बिल्कुल भी सामान्य नहीं है। दूसरे यूजर ने लिखा कि ये वीडियो देखना काफी कठिन है, बराक ओबामा के बचाने से पहले जो बाइडन करीब 10 तक मंच पर पूरी तरह से फ्रीज थे। आप मुझे बताइए कि वास्तविक राष्ट्रपति कौन है।

हमारे नागरिक को नुकसान पहुंचाना बर्दाश्त करेंगे: अटॉर्नी

वाशिंगटन। चरमपंथी गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश रचने के कथित आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक रिपब्लिक से अमेरिका प्रत्यर्पित कर दिया गया है। जिसके बाद अमेरिका के अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि निखिल गुप्ता को अब अमेरिकी अदालत में न्याय का सामना करना होगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिका उसके नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा। निखिल गुप्ता जिन्हें निक नाम से भी जाना जाता है, उन्हें बीते साल 30 जून को चेक रिपब्लिक में गिरफ्तार किया गया था। निखिल गुप्ता को 14 जून को चेक रिपब्लिक से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। सोमवार को गुप्ता को न्यूयॉर्क की एक अदालत में पेश किया गया। गुप्ता के वकील जेफ्री चौब्रो ने बताया कि गुप्ता ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल गारलैंड ने कहा कि निखिल गुप्ता को भारतीय सरकारी कर्मचारी के निर्देश पर एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रचने के आरोप में अब अमेरिकी अदालत में न्याय का सामना करना होगा।ष्गुप्ता पर हत्या की सुपारी देने और हत्या की साजिश रचने का आरोप है। अगर निखिल गुप्ता को दोषी पाया जाता है तो उन्हें हर आरोप के लिए 10-10 साल की अधिकतम सजा हो सकती है।

अमेरिका की डिप्टी अटॉर्नी जनरल लिसा मोनाको ने कहा कि न्यूयॉर्क में अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश भारत सरकार के अधिकारी द्वारा रची गई। यह अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का इस्तेमाल करने वाले राजनीतिक कार्यकर्ता को खामोश करने की बेशर्म कोशिश थी। आरोपी का अमेरिका में प्रत्यर्पण न्याय की दिशा में अहम कदम है।

एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने भी कहा कि अमेरिका ऐसी किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेगा, जिसमें इसके नागरिकों की अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जाती हो। हम अपने नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करते रहेंगे। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, बीते साल एक भारतीय सरकारी अधिकारी ने कथित तौर पर निखिल गुप्ता के साथ मिलकर अमेरिका में अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची थी।

हूती लड़ाकों पर हवाई हमले शुरू

बीजिंग। अमेरिका और ब्रिटेन की सेनाओं ने लाल सागर के पास सोमवार को हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। फरवरी की शुरुआत में हूती ठिकानों पर हवाई हमले शुरू होने के बाद से अमेरिकी नेतृत्व वाली गठबंधन सेना ने पहली बार कामरान द्वीप को निशाना बनाया है।

सेना ने यमन के होदेइदाह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर करीब छह और कामरान द्वीप पर करीब चार हवाई हमले किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों से जानकारी मिली है कि यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर मान्यता प्राप्त सरकार का मानना है कि हूती लड़ाकों ने नमक की खदानों में मिसाइलों और ड्रोन भंडार को छिपाने के लिए कामरान द्वीप और पोर्ट सालिफ का इस्तेमाल किया था।

सामूहिक गोलीबारी में घायलों की स्थिति में सुधार

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह के आखिर में अमेरिका के मिशिगन स्प्लैश पैड पर हुई गोलीबारी में नौ में से से दो लोगों की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इसमें आठ साल का एक लड़का भी शामिल है। लेकिन सिर में गोली लगने के बाद भी लड़के की हालत में तेजी से सुधार आया है। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि लड़के के चार साल के भाई के पैर में और मां के पेट-पैर मे गंभीर चोटें लगी हैं।

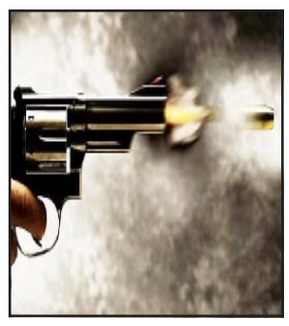

अधिकारियों ने कहा कि मूल रूप से घायल दो लोगों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। एक अन्य महिला जिसकी बांह और पीठ पर घाव था, उसकी हालत में भी सुधार है और जल्द ही उसे भी छुट्टी दी जा सकती है। पोंटियाक, मिशिगन में सप्ताहांत में हुई गोलीबारी की जांच में सोमवार को अपडेट दिया, जिसमें उन्होंने बताया किउपनगरीय डेट्रॉइट स्प्लैश पैड पर नौ लोग घायल हो गए थे।

रोचेस्टर हिल्स में अचानक हुआ हमला शनिवार और रविवार की शुरुआत में अमेरिका में हुए कम से कम चार सामूहिक गोलीबारी में से एक थापुलिस के मुताबिक 42 वर्षीय माइकल नैश ने शनिवार को 28 बार गोलीबारी की। इस दौरान बंदूक को लोड करने के लिए बीच में कई बार रुका था। फायरिंग के बाद वह शेल्बी टाउनशिप में अपने घर चला गया, जहां उसने आत्महत्या कर ली। शेरिफमाइक बुचार्ड ने कहा कि नैश का कोई आपराधिक इतिहास नहीं था, लेकिन जाहिर तौर पर वह मानसिक रूप से स्वस्थ्य नहीं था।

बुचार्ड ने कहा कि नैश का स्प्लैश पैड या फिर किसी भी पीड़ित व्यक्ति से कोई संबंध नहीं है। स्प्लैश पैड एक नॉन-स्लिप सतह वाला मनोरंजन स्थल है जहां लोग फव्वारे और पानी के स्प्रे में खेल सकते हैं। नैश के पड़ोसियों ने स्थानीय न्यूज चौनल को बताया कि उसके पिता की दो साल पहले मृत्यु हो गई थी और वह अपनी मां के साथ रहता था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा पर थीं।

दक्षिण कोरिया की तरफ से हुई गोलीबारी

नई दिल्ली। मंगलवार को दक्षिण कोरिया के सैनिकों की तरफसे सीमा पार करने पर चेतावनी देते हुए फायरिंग की है। योनहाप समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों द्वारा सीमा के पास भारी सुरक्षा वाली सैन्य सीमांकन रेखा का उल्लंघन किया गया। जिसके बाद दक्षिण कोरिया की तरफ से चेतावनी दी गई।

जानकारी के मुताबिक दर्जनों उत्तर कोरियाई सैनिकों ने आज सैन्य सीमांकन रेखा पार की और जब दक्षिण कोरिया ने चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई तो पीछे गट गए। दक्षिण कोरियाई सेना के अनुसार सुबह लगभग 8:30 बजे करीब 20-30 उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सैन्य सीमांकन रेखा को पार किया। ये घटना इस महीने की दूसरी घटना है, जब उत्तर कोरियाई सैनिकों ने सीमा पार किया। आज की घटना के दौरान दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने पहले चेतावनी दी फिर चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई। जिसके बाद उत्तर कोरियाई सैनिक पीछे हटने पर मजबूर हुए।

हालांकि इसके बाद मौके पर कोई संदिग्ध गतिविधि नहीं देखी गई। बता दें कि सैन्य सीमांकन रेखा दोनों देशों को विभाजित करती है। पिछले 10 दिनों में दूसरी घटना है जब उत्तर कोरिया के सैनिकों ने सीमा पार करने कोशिश की है। इडीमिलिट्रलाइज्ड जोन पर दोनों देशों की सीमा को पार किया था।

न्यू जर्सी में बवंडर ने मचाई तबाही

नई दिल्ली। न्यू जर्सी में शुक्रवार को भारी बारिश और हवाओं के साथ भीषण तूफान आया। वहीं, मर्सर काउंटी में भूस्खलन के बाद आए बवंडर ने बड़ी तबाही मचाई।

बवंडर की वजह से पेड़ टूटे राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार, लॉरेंस टाउनशिप में कोनोको गैस स्टेशन के पास 80 मील प्रति घंटे की गति से बवंडर आया। बवंडर की वजह से पेड़ टूट गए, जिनमें से एक पेट्रोल स्टेशन पर जा गिरा। वहीं एक डाकघर की पार्किंग में खड़ी कई कारें पलट गईं।

अमेरिका में भी जबरदस्त गर्मी का कहर

वाशिंगटन। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन का असर अब दिखने लगा है। जहां भारत में इस समय जबरदस्त गर्मी के रिकॉर्ड दर्ज किए जा रहे हैं, वहीं यूरोप और अमेरिका भी तापमान नए स्तरों तक पहुंच रहा है। अमेरिका में तो गर्मी इतनी तेज है कि यहां 7.5 करोड़ लोगों के लिए स्वास्थ्य अलर्ट तक जारी किया गया है।

बताया गया है कि गर्म लहरों के मध्य-अटलांटिक और न्यू इंग्लैंड तक पहुंचने की वजह से बीते कुछ दिनों में अमेरिका में तापमान में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा आद्रता के बढ़ने से स्थिति और खराब हुई है। गौरतलब है कि बीते साल भी अमेरिका में भीषण गर्मी का प्रकोप देखा गया था। यहां असामान्य रूप से लगातार दो दिन तक गर्म मौसम दर्ज किया गया था, जो कि 1936 के बाद से नया रिकॉर्ड था। इसका सबसे ज्यादा असर अमेरिका के फीनिक्स शहर में देखा गया था, जहां गर्मी से जुड़ी वजहों से 645 लोगों की मौत हुई थी। फीनिक्स में ही एक बार फिर तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। ऐसे में अधिकारियों ने पिछली बार की स्थिति को देखते हुए इस बार स्वास्थ्य अलर्ट जारी किया है।

जून के पहले दो हफ्ते में तापमान सामान्य से 5.6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया गया है। यह जून की शुरुआत में सबसे ज्यादा गर्मी का रिकॉर्ड भी है। राष्ट्रीय मौसम सेवा के एक वैज्ञानिक ने इस स्थिति को लेकर अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सुबह 10 बजे से 6 बजे तक घर के अंदर ही रहने को कहा है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक: अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेल: amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2021/82941